डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 205 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

PM मोदी का घाना की संसद में संबोधन:बोले

यहां की धरती लोकतंत्र की भावना से भरी हुई, मेरा आना सौभाग्य की बात

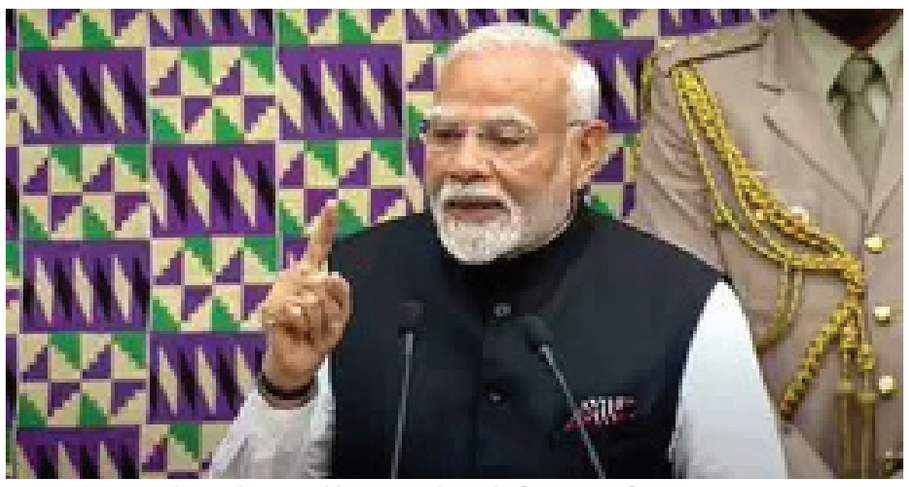

अकर्रा/घाना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाना की संसद को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है। यह लोकतंत्र की भावना से भरी हुई धरती है। घाना पूरे अफ्रीका के लिए प्रेरणा का केंद्र है।'

PM ने कहा, 'भारत लोकतंत्र की जननी है। हमारे लिए लोग लोकतंत्र एक संस्कार है। हजारों साल से लोकतंत्र ने भारतीय समाज को निरंतर गति दी है। भारत में 2500 राजनीतिक पार्टियां हैं। 20 पार्टियां अलग-अलग राज्यों में सरकार चला रही हैं। 22 भाषाएं हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'कल शाम मेरे दोस्त, राष्ट्रपति जॉन महामा से मुझे घाना का नेशनल अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है। भारत के 140 करोड़ आबादी की ओर से, मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं।'

PM मोदी को घाना का सर्वोच्च सम्मान दिया गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को घाना का सर्वोच्च सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा दोनों देशों ने 4 अलग-अलग समझौते (MoU) साइन किए। सर्वोच्च सम्मान पर PM मोदी ने कहा- घाना से सम्मानित होना मेरे के लिए गर्व की बात है। इससे पहले उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा के साथ जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया। मोदी ने कहा कि भारत और घाना आतंकवाद को मानवता का दुश्मन मानते हैं और इसके खिलाफ मिलकर काम करेंगे।

मोदी ने कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है, बल्कि बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए समस्याओं का हल होना चाहिए। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र (UN) में सुधारों पर एकमत हैं। इसके साथ ही दोनों ने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर चिंता जताई। PM मोदी ने कहा- 'भारत और घाना के बीच व्यापार 25 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हो चुका है और अगले 5 साल में इसे दोगुना करने टारगेट है।' उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा को भारत आने का न्योता दिया।

PM मोदी के संबोधन की बड़ी बातें

भारत, घाना को फिनटेक में सहयोग देगा और UPI के जरिए डिजिटल लेन-देन का एक्सपीरियंस शेयर करेगा। भारत घाना के युवाओं के लिए ITEC और ICCR स्कॉलरशिप को दोगुना करेगा और 'फीड घाना' प्रोग्राम में मदद करेगा। भारत, घाना आर्मी की ट्रेनिंग, समुद्री सुरक्षा, डिफेंस सप्लाई और साइबर सिक्योरिटी में मिलकर काम करेगा।

भारत जन औषधि केंद्र के जरिए घाना के लोगों को सस्ती और भरोसेमंद हेल्थ सर्विस देगा। वैक्सीन बनाने, डिफेंस और सिक्योरिटी में मदद और साइबर सुरक्षा में भी आपसी सहयोग बढ़ाएंगे। भारत घाना के युवाओं की वोकेशनल एजुकेशन के लिए, एक स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनाएगा।

दोनों देशों में 4 MoU साइन हुए

दोनों देशों ने चार महत्वपूर्ण समझौते (MoU) पर साइन किए। विदेश मंत्रालय के सचिव दम्मू रवि ने बताया कि ये समझौते दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेंगे।

पहला समझौता- विदेश मंत्रालय लेबल पर जॉइंट कमीशन बैठक की स्थापना करना।

दूसरा समझौता- पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों देश एक्सपर्ट्स की ट्रेनिंग और एक्सपीरियंस शेयर करेंगे। तीसरा समझौता- कल्चरल एक्टिविटी से जुड़ा है, जिससे सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। चौथा समझौता- स्टैंडर्ड सेटिंग (प्रोडक्ट और सर्विस के लिए गुणवत्ता नियम तय करना) करना, जिससे आर्थिक सहयोग बढ़ेगा।

मोदी को 21 तोपों की सलामी दी गई

PM नरेंद्र मोदी बुधवार को अफ्रीकी देश घाना पहुंचे। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा ने राजधानी एक्रॉ में एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। PM मोदी को 21 तोपों की सलामी के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इसके बाद मोदी होटल पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया।

होटल के बाहर भारतीय वेशभूषा में पहुंचे स्कूली बच्चों ने मोदी को संस्कृत में श्लोक सुनाया। इसके बाद उन्होंने घाना के राष्ट्रपति के साथ राजधानी अक्कारा के जुबली हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की।

भारत ने घाना को 6 लाख कोविड वैक्सीन दी थी

भारत और घाना अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे के मजबूत समर्थक रहे हैं। दोनों देश गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) के सदस्य हैं और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों में मिलकर काम करते हैं। घाना ने भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के दावे का समर्थन किया है।

जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और अन्य वैश्विक मुद्दों पर दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने घाना को वैक्सीन और चिकित्सा मदद दी थी। भारत ने घाना को 6 लाख कोविड वैक्सीन दी थी।

दिल्ली में 'नो-फ्यूल' आदेश पर ब्रेक: सरकार ने विरोध और तकनीकी दिक्कतों के चलते लागू करने से रोका

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर ईंधन देने पर रोक लगाने के आदेश पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश समय से पहले लागू नहीं किया जाएगा, क्योंकि जनता और पेट्रोल पंप उद्योग की ओर से भारी विरोध के साथ-साथ तकनीकी चुनौतियां भी सामने आ गई हैं।

जनता ने बताया 'तुगलकी फरमान', 79% ने किया विरोध

हाल ही में हुए एक सर्वे में 79% वाहन मालिकों ने इस फैसले का विरोध किया, और इसे 'तुगलकी फरमान' करार दिया। वाहन मालिकों का कहना है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था और उचित तैयारी के यह कदम लाखों लोगों को परेशानी में डाल देगा। कई उद्योग संगठनों ने चेतावनी दी कि इससे सामान ढुलाई और व्यापार पर बुरा असर पड़ेगा।

पर्यावरण मंत्री ने केंद्र को लिखा पत्र

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मंजींदर सिंह सिरसा ने CAQM (Commission for Air Quality Management) को पत्र लिखकर कहा है कि इस आदेश को अभी लागू नहीं किया जाना चाहिए। मंत्री ने साफ किया कि फिलहाल पुराने वाहनों को जब्त नहीं किया जाएगा और इस नीति को लागू करने से पहले नई, व्यवहारिक नीति तैयार की जाएगी।

तकनीकी दिक्कतें बनीं बाधा

इस आदेश को लागू करने के लिए पेट्रोल पंपों पर ANPR (Automatic Number Plate Recognition) कैमरे, स्पीकर सिस्टम और प्रशिक्षित स्टाफ की कमी जैसी समस्याएं सामने आई हैं। अधिकारियों के अनुसार NCR में ANPR प्रणाली पूरी तरह एकीकृत नहीं है, जिससे पुराने वाहनों की पहचान और उन पर रोक लगाने में कठिनाई हो रही है। पेट्रोल पंप संचालकों ने कहा है कि टेक्नोलॉजी के अभाव में पंपों पर झगड़े और अव्यवस्था फैल सकती है।

प्रदूषण आधारित मॉडल की ओर झुकाव

विभागीय सूत्रों के मुताबिक, सरकार उम्र आधारित प्रतिबंध के बजाय प्रदूषण आधारित व्यवस्था लागू करने पर विचार कर रही है, ताकि जिन वाहनों का प्रदूषण स्तर तय मानक से अधिक है, उन्हीं पर रोक लगाई जा सके। इससे जनता पर बेवजह बोझ भी नहीं पड़ेगा और प्रदूषण नियंत्रण का उद्देश्य भी पूरा हो सकेगा।

कब लागू होगी नई व्यवस्था?

सरकार ने स्पष्ट किया है कि 'नो-फ्यूल' आदेश पर नई कार्ययोजना तैयार होने तक रोक रहेगी। अधिकारियों के मुताबिक, तकनीकी तैयारी पूरी करने, पंप संचालकों को प्रशिक्षित करने और एकीकृत डिजिटल सिस्टम तैयार करने के बाद ही यह आदेश लागू किया जाएगा।

इस बीच, प्रदूषण कम करने के लिए सरकार वैकल्पिक उपायों जैसे सार्वजनिक परिवहन में सुधार, ई-वाहनों को बढ़ावा देने और वाहनों की PUC जांच सख्ती से कराने पर जोर दे रही है।

अमरनाथ यात्रा 2025 शुरू – सुरक्षा व्यवस्था सबसे उच्च स्तर पर

जम्मू । यह 38-दिन की अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई 2025 से आरंभ हुई, जो 9 अगस्त 2025 (सावन पूर्णिमा) को समाप्त होगी। यात्रा जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से शुरू हुई, जहां से पहली खेप में 5,880 (कुछ रिपोर्ट में 5,892) तीर्थयात्री रवाना हुए, जिनमें 1,115 महिलाएं, 31 बच्चे, और 16 ट्रांसजेंडर शामिल थे ।

बहु-स्तरीय सुरक्षा

CRPF, ITBP, स्थानीय पुलिस, सेना, और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (CAPF) का तैनाती। कुल मिलाकर लगभग 58,000–60,000 अर्धसैनिक बल तैनात किए गए।

तकनीकी निगरानी

RCC, CCTV, AI-इनेबल्ड कैमरे, और RFID ट्रैकिंग के साथ-साथ ड्रोन सर्विलांस, बम निरोधक दस्ते, कुत्ते, स्नाइपर्स और जमीनी रडार तैनात हैं। सभी तीर्थयात्रियों के लिए RFID टैग अनिवार्य, जो उन्हें आधार शिविरों और मार्ग-नियंत्रण बिंदुओं पर ट्रैक करेगा।

आकाशीय प्रतिबंध

दोनों मार्गों (पाहलगाम और बालटाल) को नो-फ्लाई ज़ोन घोषित किया गया है; ड्रोन, गुब्बारे और अन्य हवाई यंत्रों की अनुमति नहीं ।

मॉक ड्रिल और कॉन्वॉय नीतियाँ

यात्रा से पहले यात्री निवास शिविरों में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। सुरक्षा की दृष्टि से, तीर्थयात्रियों को सरकारी या अधिकृत काफिलों में ही यात्रा करने का निर्देश दिया गया है, व्यक्तिगत यात्रा पर पाबंदी।

मोबाइल कमांड नियंत्रण

राजभवन स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर, बहु-स्तरीय पुलिस नियंत्रण कक्ष और हर समय लाइव निगरानी व्यवस्था हर मार्ग पर सक्रिय रहती है।

सुरक्षा की पृष्ठभूमि

अप्रैल में पाहलगाम आतंकी हमला (22 अप्रैल) में 26 लोग मारे गए, जिससे यात्रा के पंजीकरण में लगभग 10% की गिरावट आई।इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा व्यापक सुरक्षा कवरेज ("Operation Abhyaas" सहित राष्ट्रीय-स्तरीय ड्रिल) लागू किया गया ।

बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी AAP, केजरीवाल का बड़ा ऐलान

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अकेले उतरेगी और सरकार बनाएगी. केजरीवाल ने यह भी साफ किया कि लोकसभा चुनाव में वह इंडिया गठबंधन के साथ हैं, लेकिन विधानसभा में अपनी अलग रणनीति पर काम करेंगे. आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बड़ा संकेत दिया है. गुजरात दौरे पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने ऐलान किया कि AAP बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अकेले लड़ेगी और बहुमत से सरकार बनाएगी.

केजरीवाल ने कहा, "हमने पंजाब में सरकार बनाई, दिल्ली में लगातार जनसमर्थन मिला और अब बिहार की जनता भी बदलाव चाहती है. हम बिहार में अकेले लड़ेंगे, जीतेंगे और सरकार बनाएंगे." इस बयान ने बिहार की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है. यह साफ संकेत है कि आम आदमी पार्टी अब बिहार को अपने अगले राजनीतिक विस्तार के केंद्र में रख रही है. INDIA गठबंधन में साथ, लेकिन विधानसभा चुनाव में अलग राह दिलचस्प बात यह है कि केजरीवाल ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी INDIA गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी. लेकिन राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी स्वतंत्र रणनीति अपनाएगी. यह बयान गठबंधन सहयोगियों के लिए भी एक राजनीतिक संदेश है कि AAP अब केवल सहयोगी भूमिका में नहीं, बल्कि स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनकर उभरना चाहती है. निर्वाचन आयोग पर उठाए सवाल केजरीवाल ने बिहार के चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए. उन्होंने कहा, "लोकतंत्र में निष्पक्षता सबसे जरूरी है और बिहार में जो चुनाव आयोग कर रहा है, वह सही नहीं है. जनता सब देख रही है."

बिहार में चुनौती और संभावनाएं

AAP के लिए बिहार की सियासत एक नई चुनौती और अवसर दोनों है. राज्य की पारंपरिक राजनीति जातीय समीकरणों और महागठबंधनों पर टिकी रही है. ऐसे में केजरीवाल का यह दावा कि "हम अकेले लड़ेंगे और जीतेंगे," एक आक्रामक चुनावी रणनीति की ओर इशारा करता है.

रासायनिक अस्त्र निषेध संगठन की एशिया बैठक नई दिल्ली में 1 से 3 जुलाई, 2025 तक आयोजित होगी

दिल्ली। रासायनिक अस्त्रड समझौता (सीडब्ल्यूसी) 1997 में लागू हुआ। रासायनिक अस्त्र निषेध संगठन (ओपीसीडब्ल्यू) रासायनिक अस्त्र समझौते के लिए कार्यान्वयन निकाय है, जिसके 193 सदस्य देश रासायनिक अस्त्रों को स्थायी रूप से और सत्यापन योग्य रूप से समाप्त करने के वैश्विक प्रयास की निगरानी करते हैं। रासायनिक अस्त्रों को खत्म करने में अपने व्यापक प्रयासों के लिए ओपीसीडब्ल्यू को 2013 का नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया था।

भारत इस समझौते का मूल हस्ताक्षरकर्ता है। नेशनल अथॉरिटी केमिकल वेपन्स कन्वेंशन (एनएसीडब्यू न सी) भारत में समझौते को लागू करने के लिए उत्तैरदायी राष्ट्रीय प्राधिकरण है। 2024 में, एनएसीडब्यूसी सी ने अपनी कार्यान्वयन क्षमता को सुदृढ़ बनाने के लिए ओपीसीडब्यूनेश संरक्षण/साझेदारी कार्यक्रम के तहत केन्या नेशनल अथॉरिटी को सफलतापूर्वक संरक्षणा प्रदान किया।

भारत का सबसे पुराना रासायनिक उद्योग संघ, भारतीय रासायनिक परिषद (आईसीसी) उद्योग जगत तक पहुंच प्राप्त करने के लिए एनएसीडब्यूनेशसी के साथ घनिष्ट तापूर्वक काम करता है। आईसीसी के कारण भारत को गौरव प्राप्त हुआ, क्योंकि इसे रासायनिक सुरक्षा को बढ़ावा देने, समझौते के अनुपालन और भारत में उद्योग-व्यापी सुरक्षा प्रथाओं को बढ़ाने में अपनी भूमिका के लिए सह-प्राप्तकर्ता के रूप में ओपीसीडब्यूप -द हेग पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। यह विश्व स्तर पर पहली बार है, जब किसी रासायनिक उद्योग निकाय को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 'ओपीसीडब्यूर -द हेग पुरस्कार' उन व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता देता है जो रासायनिक अस्त्रि सम्मेलन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राष्ट्रीय प्राधिकरणों के क्षमता निर्माण के माध्यम से समझौते के कार्यान्वयन में सहायता करने के लिए ओपीसीडब्ल्यू द्वारा राष्ट्रीय प्राधिकरणों की क्षेत्रीय बैठकें प्रतिवर्ष आयोजित की जाती हैं। यह वार्षिक बैठक सीडब्ल्यूसी कार्यान्वयन के लिए अनुभव, सूचना और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करती है, और समझौते के तहत दायित्वों के अनुपालन के लिए मुद्दों और समाधानों को प्रस्तुत करने और चर्चा करने के लिए एक मंच भी प्रदान करती है जो क्षेत्रीय रूप से राष्ट्रीय प्राधिकरणों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। यह परस्पचर बातचीत द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देती है तथा राष्ट्रीय प्राधिकरणों के बीच नेटवर्क को मजबूत करती है।

ओपीसीडब्ल्यू द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय रासायनिक अस्त्रं समझौता (एनएसीडब्ल्यूसी) भारत की मेजबानी में एशिया में राज्य पक्षों के राष्ट्रीय प्राधिकरणों की 23वीं क्षेत्रीय बैठक 1 जुलाई को नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में ओपीसीडब्ल्यू के वरिष्ठ अधिकारियों, एशिया भर के राष्ट्रीय प्राधिकरणों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और कैबिनेट सचिवालय के एनएसीडब्ल्यूसी के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आरंभ हुई।

बैठक में एशिया क्षेत्र के 24 सदस्य देशों के 38 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, चीन, कंबोडिया, इराक, भारत, इंडोनेशिया, जापान, जॉर्डन, किर्गिस्तान, कुवैत, लेबनान, मलेशिया, म्यांमार, मालदीव, फिलीपींस, ओमान, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम शामिल थे। साथ ही, ओपीसीडब्ल्यू और एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं निरस्त्रीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय केन्द्र (यूएनआरसीपीडी) के अधिकारी भी उपस्थित थे ।

इस क्षेत्रीय बैठक के दौरान, प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए, राष्ट्रीय कार्यान्वयन चुनौतियों, सर्वोत्तम प्रथाओं और आगे के सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। सत्रों में विधायी ढांचे, रासायनिक सुरक्षा और सुरक्षा, रासायनिक उद्योग सहित हितधारकों की भूमिका और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर चर्चा की गई। ओपीसीडब्यूषा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1540 और सीडब्यूग सी के बीच तालमेल के साथ-साथ भविष्य के मेंटरशिप पार्टनरशिप कार्यक्रमों पर चर्चा के बारे में महत्वपूर्ण अपडेट प्रदान किए।

तीन दिवसीय क्षेत्रीय बैठक से रासायनिक अस्त्र समझौते के कार्यान्वयन में एशियाई देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग सुदृढ़ होने की उम्मीद है।

हाईकोर्ट से बड़ी राहत:

RPSC को असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती पुराने नियमों से करने की मंज़ूरी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) को बड़ी राहत दी है। संस्कृत शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती को लेकर इंटरव्यू पर लगी अस्थायी रोक को हटा दिया गया है। अब आयोग इस भर्ती प्रक्रिया को पुराने नियमों के अनुसार पूरा कर सकेगा।

क्या था मामला?

RPSC ने असिस्टेंट प्रोफेसर (संस्कृत) के करीब 200 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। लिखित परीक्षा हो चुकी थी और इंटरव्यू की तैयारी चल रही थी। लेकिन इस बीच आयोग ने न्यूनतम अंक के नियम में बदलाव कर दिया। पहले पास होने के लिए अलग प्रतिशत था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 36% कर दिया गया। इस बदलाव को कई उम्मीदवारों ने न्यायालय में चुनौती दी, और कहा कि यह नियम परीक्षा के बाद बदला गया, जो गलत है।

कोर्ट का फैसला

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति चंद्रप्रकाश श्रीमाली) ने आज फैसला सुनाते हुए कहा कि "RPSC भर्ती प्रक्रिया को पुराने नियमों से ही पूरी करे।" कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश फिलहाल इंटरव्यू प्रक्रिया शुरू करने तक सीमित है। सभी याचिकाएं अभी कोर्ट में विचाराधीन हैं, और अंतिम निर्णय आगे की सुनवाई में आएगा।

किन उम्मीदवारों को फायदा?

जिन अभ्यर्थियों ने पुराने नियमों के अनुसार लिखित परीक्षा पास की थी, अब वे इंटरव्यू में शामिल हो सकेंगे। इससे करीब 200 पदों की नियुक्ति प्रक्रिया को गति मिलेगी। भर्ती में शामिल कई उम्मीदवारों ने इस फैसले पर खुशी जताई और कहा कि "अब हमारी मेहनत व्यर्थ नहीं जाएगी।"

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ओला-उबर में किराया वृद्धि: किसके हित में हैं नई गाइडलाइंस?

हाल ही में केंद्र सरकार ने ओला-उबर जैसी एग्रीगेटर कंपनियों को पीक ऑवर्स में किराया बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इसका सीधा मतलब है कि अब ट्रैफिक या ज्यादा डिमांड वाले समय में यात्रियों को दोगुना तक किराया चुकाना पड़ सकता है। सवाल यह है कि यह फैसला किसके हित में लिया गया है – यात्रियों के या कंपनियों के?

शहरी परिवहन पहले ही महंगा हो चुका है। ऐसे में ओला-उबर जैसी सेवाएं आम आदमी के लिए एक सस्ती और सहज विकल्प मानी जाती थीं। अब किराया वृद्धि के बाद यह विकल्प भी धीरे-धीरे उनके हाथ से निकल जाएगा। कंपनियों का तर्क है कि ड्राइवर की आमदनी बढ़ाने और उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम जरूरी है, लेकिन असल में कंपनियों का मुनाफा भी इसी में छिपा है।

कोरोना के बाद लगातार ईंधन और मेंटेनेंस खर्च में बढ़ोतरी से ड्राइवरों की आमदनी घटी है। कुछ ड्राइवरों ने बढ़े किराए को सकारात्मक कदम बताया, लेकिन वहीं दूसरी ओर यात्रियों में नाराजगी भी बढ़ रही है। बढ़ती महंगाई के दौर में लोगों के लिए ट्रैवल खर्च का बढ़ना उनके मासिक बजट को बिगाड़ देगा। दूसरी ओर, कंपनियां इस वृद्धि का उपयोग ज्यादा कमाई के लिए करेंगी, और ड्राइवर को उसका पूरा लाभ मिलने की गारंटी नहीं है।

इस फैसले से एक और समस्या सामने आएगी – पारंपरिक ऑटो और टैक्सी चालकों की प्रतिस्पर्धा में असंतुलन। पहले ही कई शहरों में ऑटो और टैक्सी यूनियनों ने ओला-उबर के किराए को लेकर विरोध जताया है। अगर ओला-उबर के किराए बढ़ते हैं, तो संभव है पारंपरिक ऑटो चालक भी अपनी दरें बढ़ा दें, जिससे आम आदमी की परेशानी बढ़ेगी।

सरकार का काम सिर्फ कंपनियों के हित में फैसले लेना नहीं है, बल्कि यात्रियों और ड्राइवरों दोनों के हित में संतुलन बनाना भी है। यदि किराया बढ़ाया भी जाता है, तो यह तय होना चाहिए कि इसका सीधा लाभ ड्राइवर को मिले और यात्रियों पर अनावश्यक बोझ न पड़े। इसके लिए पारदर्शी तंत्र बनाना और कंपनियों को जवाबदेह बनाना बेहद जरूरी होगा।

अंत में, यह किराया वृद्धि नीति तभी सार्थक होगी जब यह ड्राइवरों की आमदनी बढ़ाने में मदद करे, यात्रियों के लिए सेवाओं की उपलब्धता बनाए रखे और कंपनियों को अनुचित मुनाफाखोरी से रोके। अन्यथा, यह कदम सिर्फ कंपनियों के हित में जाकर आम जनता की जेब पर सीधा वार साबित होगा।

दिल्ली CM बंगला रेनोवेशन विवाद; क्या वीआईपी संस्कृति से उबर पाएगा भारत?

महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रही जनता के बीच सत्ता के शानो-शौकत पर खर्च उठे सवाल, क्या लोकतंत्र में सादगी लौटेगी?

भारत में नेताओं और वीआईपी वर्ग की विशेष सुविधाओं, बड़े बंगलों और सुरक्षा घेरों पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। अभी हाल में दिल्ली के मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर हुए महंगे रेनोवेशन को लेकर जो विवाद उठा, उसने इस मुद्दे को फिर चर्चा में ला दिया है। देश में महंगाई, बेरोजगारी और असमानता की मार झेल रही जनता के बीच यह सवाल गूंज रहा है कि क्या भारत कभी इस वीआईपी संस्कृति से बाहर आ पाएगा?

क्या है विवाद?

दिल्ली के सीएम बंगले पर करोड़ों रुपये खर्च कर रेनोवेशन करने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, बंगले में 24 एयर कंडीशनर, 5 स्मार्ट टीवी, महंगे झूमर, लग्जरी फर्नीचर और आधुनिक सुविधाओं के नाम पर करोड़ों का खर्च आया। आरोप यह भी है कि रेनोवेशन के दौरान कई नियमों की अनदेखी हुई और सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया गया। विपक्ष ने इसे 'शीशमहल' करार दिया, वहीं सत्ता पक्ष ने इसे मुख्यमंत्री के अधिकार और जरूरत बताकर बचाव किया।

दिल्ली जैसे शहर में जहां झुग्गी बस्तियों में लोग आज भी पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहां सत्ता के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति के लिए ऐसी भव्यता क्या उचित है? यही सवाल आम नागरिकों के मन में आ रहा है।

यह विवाद भारत में गहरी जड़ जमा चुकी वीआईपी संस्कृति का एक और उदाहरण बन गया है। आज़ादी के इतने वर्षों बाद भी नेता और अधिकारी बड़े बंगलों में रहने, लंबा काफिला चलाने और विशेष सुविधाओं में रहने को अपनी शान समझते हैं। जबकि सत्ता में आने से पहले यही नेता खुद को जनता का सेवक बताते हैं और सादगी की बात करते हैं। लेकिन कुर्सी पर बैठते ही वादे और वास्तविकता में फर्क दिखने लगता है।

वीआईपी संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी?

भारत में वीआईपी संस्कृति कोई नई बात नहीं। आज़ादी के बाद से ही नेताओं और अधिकारियों को विशेष सुविधाएँ मिलती रही हैं। बड़े बंगलों में रहना, लंबा काफिला, सायरन बजती गाड़ियाँ, विशेष सुरक्षा, वीआईपी गेट और वीआईपी वेटिंग रूम जैसी चीजें धीरे-धीरे एक संस्कृति का रूप ले चुकी हैं। जो नेता आम आदमी की ज़िंदगी सुधारने का वादा कर सत्ता में आते हैं, वही सत्ता में पहुंचने के बाद उसी वीआईपी संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं।

भारत में गरीबी रेखा के नीचे रह रहे करोड़ों लोग, सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की बदहाली और रोजगार की कमी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में नेताओं और वीआईपी के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर बंगले सजाने की घटनाएं जनता के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। लोकतंत्र में चुने गए प्रतिनिधि अगर सादगी का उदाहरण पेश नहीं करेंगे, तो जनता में असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है।

पिछले वर्षों में वीआईपी कल्चर के विरुद्ध आवाज़ें उठी हैं। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और सड़क मार्ग पर वीआईपी संस्कृति को खत्म करने के कुछ कदम उठाए गए हैं, लेकिन इनकी गति बहुत धीमी है। नेताओं और वीआईपी के लिए बंगलों और सुविधाओं में कटौती की बातें तो होती हैं, लेकिन अमल कम होता है।

जनता का दर्द और नेताओं की प्राथमिकताएँ

भारत में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली आबादी, अशिक्षा, कुपोषण और बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याएँ हैं। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की हालत दयनीय है। बजट की कमी का हवाला देकर कई विकास योजनाओं में कटौती की जाती है। ऐसे में नेताओं के बंगलों और सुविधाओं पर जनता का पैसा खर्च होना लोगों को आहत करता है।

नेता जब सत्ता में आने से पहले खुद को जनता का सेवक बताते हैं, तब जनता उनसे अपेक्षा करती है कि वे साधारण जीवन व्यतीत कर उदाहरण पेश करेंगे। लेकिन सत्ता में आते ही बड़ी गाड़ियों का काफिला, लाखों के साज-सज्जा और आलीशान आवास जनता की नजरों में उनके वादों की सच्चाई को उजागर कर देते हैं।

क्या भारत वीआईपी संस्कृति से उबर सकता है?

इस सवाल का उत्तर आसान नहीं है। वीआईपी संस्कृति का अंत तभी संभव है जब राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो और समाज में जवाबदेही की भावना प्रबल हो। कुछ देशों ने इस दिशा में बेहतरीन उदाहरण पेश किए हैं। उदाहरण के लिए, नॉर्वे, स्वीडन और डेनमार्क जैसे देशों के नेता आम लोगों की तरह सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते हैं और साधारण आवास में रहते हैं। वहां नेताओं का सम्मान उनके जीवन स्तर से नहीं, बल्कि उनके काम और ईमानदारी से तय होता है। भारत में भी जब तक नेताओं के जीवन में पारदर्शिता और सादगी नहीं आएगी, वीआईपी संस्कृति खत्म नहीं होगी।

भारत में लाल बत्ती संस्कृति खत्म करने जैसे प्रयास जरूर हुए हैं, लेकिन बंगलों और वीआईपी सुविधाओं में कटौती की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। अगर भारत को सच्चे मायनों में लोकतंत्र बनाना है, तो नेताओं और अधिकारियों को खुद सादगी का जीवन अपनाना होगा। उन्हें समझना होगा कि जनता का पैसा जनता की भलाई के लिए है, न कि उनके बंगले और सुख-सुविधाओं के लिए।

नेताओं और वीआईपी वर्ग को चाहिए कि वे खुद आगे आकर अपने जीवन में पारदर्शिता और सादगी लाएं। जनता को भी अब चुप बैठने के बजाय अपने अधिकारों के लिए सवाल पूछना होगा और जवाबदेही तय करनी होगी। जब तक सत्ता में बैठे लोग खुद को जनता का सेवक नहीं समझेंगे और जब तक जनता उनसे हिसाब नहीं मांगेगी, तब तक भारत वीआईपी संस्कृति से उबर नहीं पाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आने के बाद लाल बत्ती संस्कृति खत्म करने की घोषणा की थी, जो एक सकारात्मक कदम था। कई राज्यों में भी लाल बत्ती और विशेष सायरन का इस्तेमाल बंद किया गया। लेकिन बंगलों और अन्य सुविधाओं पर खर्च को लेकर अभी भी कोई कठोर नीति नहीं बनी है।

समाधान की दिशा में संभावित कदम

नीति निर्धारण: नेताओं और अधिकारियों के आवास, सुविधाओं और सुरक्षा में खर्च की सीमा तय कर उसे सार्वजनिक किया जाए।

जनता की निगरानी: प्रत्येक राज्य और केंद्र के स्तर पर एक पारदर्शी पोर्टल बने, जिसमें नेताओं और अधिकारियों पर सार्वजनिक खर्च का ब्यौरा हर माह अपडेट हो।

स्वैच्छिक पहल: नेताओं को स्वयं आगे आकर साधारण जीवन शैली अपनाने का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

कानूनी सुधार: गैर-जरूरी खर्चों और विशेषाधिकारों पर रोक लगाने के लिए कड़े नियम बनाए जाएं।

जन जागरूकता: जनता को इस मुद्दे पर सजग रहकर मीडिया और जनआंदोलनों के माध्यम से नेताओं पर दबाव बनाना चाहिए।

दिल्ली सीएम बंगला रेनोवेशन विवाद ने भारत में वीआईपी संस्कृति पर गहरे प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। जब तक नेता और अधिकारी खुद को जनता का सेवक मानते हुए सादगी का जीवन नहीं अपनाते, तब तक जनता में असंतोष बना रहेगा। वीआईपी संस्कृति केवल खर्च और विशेषाधिकार का विषय नहीं, बल्कि यह एक मानसिकता की समस्या है।

भारत अगर वास्तव में 'जनता का लोकतंत्र' बनना चाहता है, तो नेताओं को अपने जीवन में पारदर्शिता और सादगी लानी होगी। जनता को भी चाहिए कि वे अपने प्रतिनिधियों से सवाल पूछें और जवाबदेही तय कराएं। तभी भारत वीआईपी संस्कृति से उबर कर एक वास्तविक लोकतंत्र की ओर बढ़ पाएगा।

यह मुद्दा सिर्फ दिल्ली या एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे भारत और हर राज्य का है। जब तक जनता अपने वोट से चुने गए प्रतिनिधियों को यह एहसास नहीं दिलाएगी कि वे जनता के सेवक हैं, मालिक नहीं, तब तक बंगले सजते रहेंगे और जनता लाइन में खड़ी रहेगी। भारत को अगर सच्चे मायनों में लोकतांत्रिक और समानता पर आधारित समाज बनाना है, तो हमें इस वीआईपी संस्कृति को जड़ से उखाड़ने की दिशा में ईमानदार कोशिश करनी होगी। तभी यह देश वास्तव में जनता का देश बन सकेगा, जहां नेता और जनता के बीच सिर्फ कुर्सी का फासला नहीं, बल्कि सोच और जीवनशैली की समानता भी होगी।

कृषि की शुद्धता बनी रहेगी तभी सुरक्षित होगा कल

आधुनिक तकनीकों से बीज-उर्वरकों को पहचानें, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को बचाएं

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था का स्तंभ है जो करोड़ों किसानों के जीवन-यापन का आधार है और 1.4 अरब से अधिक लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है। कृषि इनपुट्स जैसे बीज, उर्वरक, बायोस्टिमुलेंट्स और कीटनाशक की गुणवत्ता फसल उत्पादकता, मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरणीय संतुलन और खाद्य सुरक्षा को गहरे तौर पर प्रभावित करती है। इन इनपुट्स का कठोर परीक्षण किसानों की आजीविका की रक्षा पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। बीजों की आनुवंशिक शुद्धता, अंकुरण दर, जीवन शक्ति और रोगजनकों या प्रदूषकों की अनुपस्थिति का गहन मूल्यांकन मजबूत फसल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

मिलावटी और घटिया इनपुट्स फसल उत्पादन में कमी, जमीन की उर्वरता को नुकसान किसानों के लिए आर्थिक नुकसान व पर्यावरणीय क्षति जैसे परिणाम लाते हैं। दूषित फसलें गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती हैं। ये इनपुट्स पौधे के पोषण चक्र के लिए आवश्यक सूक्ष्मजीवी समुदायों को नष्ट करके मिट्टी की उर्वरता को कम करते हैं, दूषित चारे से पशुओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं और पक्षियों, मधुमक्खियों जैसे परागणकों और लाभकारी कीटों को प्रभावित करके जैव विविधता को खतरे में डालते हैं। नकली उत्पादों से होने वाली अपूरणीय क्षति जैसे मिट्टी का दीर्घकालिक बांझपन, पारिस्थितिकी तंत्र का पतन, देशी प्रजातियों का नुकसान और व्यापक स्वास्थ्य संकट – कृषि स्थिरता और सामाजिक कल्याण को खतरे में डालती है। उदाहरण के लिए, मिलावटी उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग पोषक तत्वों के रिसाव का कारण बनता है, जमीन की अम्लीय-क्षारीय क्षमता को प्रभावित करता है, भूजल को प्रदूषित करता है और जल निकायों में यूट्रोफिकेशन को बढ़ावा देता है, जबकि नकली कीटनाशक कीट नियंत्रण में विफल होकर फसल नुकसान और कीट प्रतिरोध का कारण बनते हैं।

भारत में कृषि इनपुट्स की शुद्धता और गुणवत्ता के लिए नमूने लेने और मूल्यांकन का वर्तमान बुनियादी ढांचा पूरी तरह अपर्याप्त है। अधिकांश सुविधाएं शहरी क्षेत्रों में केंद्रीकृत हैं, कर्मचारियों की कमी से जूझ रही हैं और पुरानी तकनीकों पर निर्भर हैं, जिससे परिणामों में देरी और ग्रामीण किसानों के लिए सीमित पहुंच होती है। सैंपल कलेक्शन अनियमित है और बाजार में प्रसारित इनपुट्स की विशाल मात्रा को कवर करने की परीक्षण क्षमता अपर्याप्त है। किसानों में कृषि इनपुट्स की शुद्धता और गुणवत्ता की जांच कब, कैसे और कहां करवानी है, इसकी जागरूकता की भी कमी है।

जिला मुख्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्र (कृविके) कृषि विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हां अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित करने से एवं इनमें आवश्यकतानुसार वैज्ञानिकों की नियुक्ति कर देने से नियमित परीक्षण को बढ़ावा मिलेगा। वहीं उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकें, प्रौद्योगिकी-संचालित मानव संसाधनों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के साथ मिलकर मिलावटी और घटिया इनपुट्स का पता लगाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हाई-परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमेटोग्राफी कृषि इनपुट्स में रासायनिक यौगिकों को अलग करने और उनकी मात्रा निर्धारित करने का शक्तिशाली उपकरण है। पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) बीजों और बायोउर्वरकों के आनुवंशिक विश्लेषण के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह बीज किस्मों की आनुवंशिक शुद्धता को डीएनए-आरएनए मार्करों को बढ़ाकर सत्यापित करता है, जिससे किसानों को प्रामाणिक बीज मिलें।

प्रलोभन देकर धर्मान्तरण; लोकतांत्रिक समाज के लिए बढ़ता खतरा

"धर्मान्तरण में प्रलोभन की बढ़ती साज़िश संविधान और समाज के लिए चुनौती"

भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष मुल्क है, जहां हर शख्स को अपने धर्म को मानने, उसका प्रचार करने और धर्म बदलने की आज़ादी है। यह आज़ादी हमारे संविधान में मूल अधिकारों के तौर पर दी गई है। मगर जब धर्मान्तरण, ज़बरदस्ती या प्रलोभन देकर कराया जाए, तो यह संविधान की आत्मा और समाज की एकता दोनों के लिए खतरा बन जाता है।

आज के दौर में देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रलोभन देकर धर्मान्तरण कराए जाने की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। कहीं पैसों का लालच दिया जा रहा है, कहीं इलाज, नौकरी या शादी का वादा किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ये धर्मान्तरण सच में 'धार्मिक स्वतंत्रता' के दायरे में आते हैं, या फिर यह एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा हैं?

ऐतिहासिक संदर्भ: कैसे शुरू हुआ था यह चलन

भारत में धर्मान्तरण का इतिहास पुराना है। मध्यकाल में भी राजनीतिक ताकतों ने तलवार और ताकत के बल पर धर्म बदलवाए। औपनिवेशिक काल में मिशनरियों ने शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं के ज़रिये भी धर्मान्तरण का सिलसिला चलाया। आज का दौर भले ही तलवार का नहीं है, मगर प्रलोभन और लालच की तलवार से धर्मान्तरण कराए जा रहे हैं।

कई राज्यों में यह शिकायतें आती रही हैं कि गरीब और कमजोर तबकों को इलाज, रोजगार, बच्चों की पढ़ाई, कर्ज़ माफ़ी या विदेशी दौरे के लालच देकर धर्म बदलवाया जाता है। यह चलन न सिर्फ कानून का दुरुपयोग है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी तोड़ने वाला साबित होता है।

धर्मांतरण पर संविधान और कानून का नज़रिया

भारतीय संविधान आर्टिकल 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है। व्यक्ति को धर्म मानने, उसका पालन करने और प्रचार करने का हक है। मगर यह स्वतंत्रता 'पब्लिक ऑर्डर', 'मोरलिटी' और 'हेल्थ' के अधीन है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि अगर धर्मान्तरण धोखे, लालच, जबरदस्ती या भय के आधार पर कराया गया है, तो यह धार्मिक स्वतंत्रता नहीं कही जा सकती। आज कई राज्यों में 'धर्म स्वातंत्र्य कानून' मौजूद हैं, जो धोखे और प्रलोभन के आधार पर धर्मांतरण को अपराध मानते हैं।

हाल ही में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने इस पर कड़े कानून बनाए हैं, जिनमें प्रलोभन देकर या जबरदस्ती धर्म बदलवाने पर कड़ी सज़ा का प्रावधान है। यह कानून गरीब और कमजोर तबकों को बचाने के लिए ज़रूरी कदम हैं, ताकि कोई उनकी मज़बूरी का फायदा उठाकर उनकी आस्था बदलने पर मजबूर न कर सके।

समाज पर असर: आपसी विश्वास और सामाजिक ताने-बाने में दरार

जब किसी समाज में धर्मान्तरण प्रलोभन और धोखे से होने लगे, तो इससे सामाजिक संतुलन बिगड़ता है। गाँव, मोहल्ले और रिश्तों में शक की दीवारें खड़ी हो जाती हैं। गरीब तबकों में अस्थिरता पैदा होती है, और वह अपनी जड़ों और सांस्कृतिक पहचान से कटने लगते हैं।

धर्मान्तरण का मकसद अगर किसी व्यक्ति की सच्ची आस्था से जुड़ा हो तो वह स्वीकार्य है, लेकिन अगर उसका मकसद संख्या बढ़ाना, सामाजिक सत्ता पाना या विदेशी फंडिंग के लिए आंकड़े सुधारना हो, तो यह लोकतंत्र और सामाजिक एकता दोनों के लिए खतरनाक है।

इस तरह के धर्मान्तरण से सबसे ज़्यादा नुकसान बच्चों की मानसिकता पर पड़ता है। वह अपनी संस्कृति और धार्मिक पहचान को लेकर उलझ जाते हैं। इसी वजह से कई जगहों पर समाज में तनाव की स्थिति पैदा हो जाती है, और आपसी भाईचारा भी प्रभावित होता है।

मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता बनाम प्रलोभन

कुछ संगठन प्रलोभन देकर धर्मान्तरण को 'धार्मिक स्वतंत्रता' का हिस्सा बताते हैं। मगर यह तर्क कमजोर है। धर्म परिवर्तन का अधिकार केवल तब तक सही है जब तक व्यक्ति स्वतः अपनी इच्छा और समझ से धर्म बदलता है।

जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन के बदले धर्म बदलने पर मजबूर किया जाए, जब किसी गरीब को इलाज, शिक्षा या रोजगार के बदले धर्म बदलने के लिए बाध्य किया जाए, तो यह उसकी 'आज़ादी' का नहीं, बल्कि उसकी मजबूरी का शोषण है।

धर्मान्तरण को लेकर जो विदेशी फंडिंग आ रही है, वह भी एक गंभीर चिंता का विषय है। कई जगह रिपोर्ट्स सामने आई हैं कि गरीब आदिवासी इलाकों में मिशनरियां और कुछ संगठनों द्वारा विदेशी फंड का दुरुपयोग करके बड़े पैमाने पर प्रलोभन आधारित धर्मान्तरण कराए जा रहे हैं।

समाधान: कानून और समाज को मिलकर प्रयास करना होगा

1 कड़े और स्पष्ट कानून: हर राज्य में ऐसा कानून होना चाहिए जो प्रलोभन, धोखे या जबरदस्ती से कराए गए धर्मान्तरण को रोक सके। इसके तहत दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि समाज में डर पैदा हो।

2 शिक्षा और जागरूकता: गरीब और आदिवासी इलाकों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता बढ़ानी चाहिए ताकि लोग अपनी मज़बूरी में ऐसे प्रलोभनों के जाल में न फंसें। सरकार को योजनाओं का सीधा लाभ देना चाहिए।

3 समाज में संवाद बढ़ाना: धार्मिक समुदायों को भी यह समझना होगा कि किसी धर्म में जबरन या लालच देकर लाए गए लोग स्थायी रूप से न तो उस धर्म की शिक्षा ले पाते हैं, न उसकी आत्मा को समझ पाते हैं। इससे केवल टकराव पैदा होता है।

4 धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान: हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कोई व्यक्ति अगर अपनी मर्जी और समझ से किसी धर्म को अपनाता है, तो उसका सम्मान होना चाहिए।

5 देशी फंडिंग पर निगरानी: एनजीओ और मिशनरियों को मिलने वाली विदेशी फंडिंग पर पारदर्शी निगरानी होनी चाहिए। यह देखना ज़रूरी है कि यह फंड सही सामाजिक काम में लग रहा है या धर्मान्तरण में।

विदेशी फंडिंग के नाम पर भी देश में कई जगह धर्मान्तरण कराए जाने की खबरें आती रहती हैं। इस पर पारदर्शिता और सख्त निगरानी ज़रूरी है ताकि समाज की एकता और लोकतांत्रिक मूल्य सुरक्षित रह सकें। धर्मान्तरण कोई संख्या बढ़ाने की होड़ नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्तिगत और आत्मिक यात्रा है, जिसे कोई भी व्यक्ति तब ही अपनाए जब उसका दिल और उसकी आत्मा पूरी तरह से उसे इसके लिए राज़ी करे।

भारत जैसे बहुधर्मी समाज में धार्मिक स्वतंत्रता और आपसी सम्मान लोकतंत्र की असली ताकत है। मगर यह तभी संभव है जब हम यह सुनिश्चत करें कि किसी पर भी दबाव डालकर या लालच देकर उसका धर्म न बदला जाए। हमें ऐसा समाज बनाना होगा जहां हर व्यक्ति अपनी संस्कृति और आस्था के साथ इज़्ज़त और आत्मसम्मान के साथ जी सके।

धर्मान्तरण का अधिकार किसी भी इंसान को है, मगर वह अधिकार तभी सार्थक है जब वह उसकी आत्मा की सच्ची आवाज़ हो, किसी मजबूरी या लालच का सौदा नहीं। इसी में देश की एकता, लोकतंत्र की मजबूती और समाज के भविष्य की हिफाजत छुपी है।

लोकतंत्र की मजबूती और सामाजिक एकता का प्रश्न

भारत जैसे बहुधर्मी और बहुसांस्कृतिक समाज में 'धार्मिक स्वतंत्रता' लोकतंत्र की आत्मा है। मगर यह स्वतंत्रता तभी सही मायने में है जब उसमें कोई लालच या दबाव शामिल न हो।

अगर कोई भूख, बीमारी, शिक्षा या रोजगार के लालच में धर्म बदल रहा है, तो हमें यह सोचने की ज़रूरत है कि कहां हमने समाज के तौर पर कमज़ोरी दिखाई है। हमें ऐसा समाज बनाना होगा जहां कोई भूख और मज़बूरी में अपना धर्म न बदले।

प्रलोभन देकर धर्मान्तरण का बढ़ता चलन समाज में अविश्वास, तनाव और विघटन को बढ़ावा देता है। यह लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की आत्मा पर चोट करता है। ऐसे में सरकार, न्यायपालिका और समाज को मिलकर इस पर कड़ा रुख अपनाने की ज़रूरत है।

धर्मान्तरण का हक हर व्यक्ति को है, मगर वह उसकी आत्मा की आवाज़ होनी चाहिए, किसी और के प्रलोभन या दबाव का नतीजा नहीं। यही लोकतंत्र की सच्ची आत्मा और भारत की गंगा-जमुनी तहज़ीब की हिफाज़त का रास्ता है।

आजकल कुछ इलाकों में **'लव जिहाद'** के आरोपों के तहत भी धर्मान्तरण की बहस गर्म हो गई है। कुछ लोग इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मामला मानते हैं तो कुछ इसे सुनियोजित साजिश बताते हैं। सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट के आदेश साफ करते हैं कि शादी के लिए धर्म बदलवाना अगर प्रलोभन या धोखे से कराया जाए तो वह संविधान का उल्लंघन है। हाल ही में प्रयागराज, उत्तर प्रदेश और दौसा, राजस्थान में ऐसी घटनाओं ने इस बहस को और गर्म कर दिया है।

इसके साथ ही भारत में बढ़ते की समस्या को भी इस संदर्भ में जोड़कर देखा जाना चाहिए। जब धर्मान्तरण का मुद्दा राजनीति और कट्टरता से जुड़ जाता है तो इसका वास्तविक समाधान दूर होता चला जाता है। इसलिए समाज को नफरत और भय के माहौल में बांटने के बजाय विकास, शिक्षा और समान अवसर देकर कमजोर तबकों को सशक्त करना होगा।

मुख्यमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत शिविर का किया अवलोकन

- किसान, युवा, मजदूर, महिला का उत्थान हमारी प्राथमिकता

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा व मजदूर इन चार जातियों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रही है, जिससे विकास का उजियारा हर वर्ग तक पहुंचे।

शर्मा गुरूवार को सवाई माधोपुर में बालेर (खंडार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं रणथंभौर का किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरूदों की अपनी विशेष पहचान है।

वंचित वर्ग विकास की मुख्य धारा से ना छूटे-

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट ना जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में इन शिविरों से आमजन के भूमि संबंधी विवादों का समाधान, नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण, मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं तथा एनएफएसए सहित कई लंबित प्रकरणों का निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित, 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित विभिन्न जनहित के कार्य किए गए।

युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर,

देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, वहीं प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। हम युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित हैं तथा 5 साल में 4 लाख सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं।

हमारी सरकार राज्य के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी-

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में जो काम हुए, वो पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमने डेढ़ वर्ष में ही खेतों में 253.3 लाख मीटर की तारबंदी की, वहीं गत सरकार के 5 वर्षों में 113 लाख मीटर की तारबंदी ही की गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 29 हजार 343 हेक्टेयर की भूमि आवंटित की, जबकि गत सरकार में यह आंकड़ा 22 हजार 597 हेक्टेयर ही रहा। हमने डेढ़ साल में कुसुम-ए के तहत 646 तथा कुसुम-सी के तहत 2 हजार 91 एलओए किए, जबकि गत सरकार ने इनके तहत 489 तथा 57 एलओए ही किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में ही 32 हजार से अधिक किसानों को फार्म पौण्ड योजना के अंतर्गत अनुदान मिला, जबकि गत सरकार के समय यह आंकड़ा 29 हजार 430 ही था। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि हमारी सरकार राज्य के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

राजस्थान पुलिस को मिला नया नेतृत्व

-आईपीएस राजीव कुमार शर्मा ने संभाला पुलिस महानिदेशक का कार्यभार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस को गुरूवार को एक अनुभवी और निष्ठावान नेतृत्व मिला जब वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कुमार शर्मा ने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक पद का कार्यभार औपचारिक रूप से ग्रहण किया। जयपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित सादे किन्तु गरिमामय समारोह में शर्मा ने निवर्तमान डीजीपी से पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उच्च पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति रही।

गुरूवार शाम पुलिस मुख्यालय पहुंचे शर्मा का डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्वागत किया। इस दौरान उन्हें पुलिसकर्मियों के दल ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया और मौजूद समस्त पुलिस अधिकारियों का परिचय लिया। इसके बाद उन्होंने विधिवत कार्यभार ग्रहण किया और मीडियाकर्मियों से संवाद किया। इस दौरान शर्मा ने पुलिस अधिकारियों की एक संक्षिप्त बैठक ली और चर्चा की। इस अवसर पर महानिदेशक पुलिस संजय अग्रवाल, अनिल पालीवाल, श्रीमती मालिनी अग्रवाल, अशोक राठौर, आनंद श्रीवास्तव, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल, बिपिन कुमार पाण्डेय, सचिन मित्तल, दिनेश एमएन, जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ, वीके सिंह, संजीव नार्जरी, श्रीमती बिनीता ठाकुर, श्रीमती प्रशाखा माथुर, हवा सिंह घुमरिया, बीएल मीना, श्रीमती लता मनोज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

अनुभवी पुलिस अधिकारी है शर्मा:-

34 वर्षों की सुदीर्घ सेवा का अनुभव लिए शर्मा 1990 बैच के राजस्थान कैडर के अधिकारी हैं। वे मथुरा के

मूल निवासी हैं। एम.ए. व एम.फिल डिग्रीधारी शर्मा का पुलिस सेवा में अनुशासन, कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता के लिए विशेष सम्मान रहा है। राजस्थान में उन्होंने एसपी, आईजी, एसीबी निदेशक, लॉ एंड ऑर्डर प्रमुख और पुलिस अकादमी के निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवा दी है। वहीं केंद्र सरकार में सीबीआई और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो में भी उन्होंने विशिष्ट योगदान दिया है। उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक और डीजीपी डिस्क अवॉर्ड जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार शर्मा को प्रारंभिक रूप से दो वर्ष के लिए डीजीपी नियुक्त किया गया है।

अलम सद्दे का जुलूस जोश के साथ निकला

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। अलम सद्दे का जुलूस गुरुवार को बड़े ही जोश के साथ निकला वही कत्ल की रात शनिवार को मनाई जाएगी व ताजिए सुपुर्द-ए-खाक रविवार को होंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुस्लिम नववर्ष के आते ही चाँद की पहली तारीख से ही इमामबाड़े में ताजिए बनने व मातम बजनी शुरू हो जाती है।

चांद की 7 तारीख़ गुरुवार (3 जून 2025) को अलम सद्दे का जुलूस मोहल्ला तोपचीवाड़े से ढोल व ताशों के साथ में निकला जो कि कस्बे के प्रमुख मार्ग होते हुए सारवान मोहल्ले के इमामबाड़े में आए जहां पर अलम सद्दे व ताजियों का मिलान किया गया इसके बाद में अलम सद्दे के जुलूस में आए हुए लोगों को शर्बत पिलाने व डाँड़ पट्टे लड़ाने की रस्म निभाई गई ।

इसी प्रकार मोहल्ला लुहार मंडी में मिलान किया गया बुन्द लौहार ने अलग से सबील लगाई व लुहारमण्डी की तरफ से शर्बत पिलाया गया। इसके बाद में कस्बे के प्रमुख मार्ग होते हुए ये जुलूस वापस मोहल्ला तोपची वाड़े में आया जहां पर मेला लगा गांधी चौक में जुलूस का भव्य स्वागत किया गया।

चांद की रात शनिवार (5 जून 2025) को कत्ल की रात मनाई जाएगी जिसमें सभी ताजिए अपने अपने इमाम बाड़े से निकल कर कस्बे के प्रमुख मार्ग होते हुए गांधी चौक में जाते है। जहाँ पर मेला लगता है यहा पर अखाड़ा बाजी का बेहतरीन प्रदर्शन होता है। इसमें सवामन की लकड़ी की बल्ली के दोनों और धधकती हुई आग को लगाकर उसको सर गर्दन कोहनी हाथ पेट के बल से घुमाया जाता है। जिसको देखने के लिए काफी भीड़ उमड़ती है सुबह 4 बजे ये तीनों ताजिए वापस अपने अपने मुकाम पर आजाते है।

इसी प्रकार चांद की 10 तारीख रविवार (6 जून 2025) अपने मुकाम से चलेंगे जो बैठके देते हुए गांधी चौक में जाएंगे जहा पर मेला लगेगा अखाड़ा लगेगा विधायक आदि के द्वारा ताजीएदारों, ढोल, ताशा बजाने वाले मदीना सबील कमेटी और पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा दोपहर 3 बजे बाद में कई स्थानों पर बैठके देते हुए प्रमुख मार्ग होते हुए व ढोल, ताशों के गमगीन माहौल में मर्शा पढ़ते हुए कर्बला में जाते है वहा से शाम को माधोवेणी नदी में सुपुर्द-ए-खाक के लिए ले जाते है। इस दौरान मदीना सबील कमेटी के मेम्बर सबील लगाकर प्यासे लोगों को पानी पिलाते है। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग व पुलिस मौजूद थी थानेदार जयराम यादव की सराहनीय सेवा रही।

रामेश्वर प्रसाद कपूरिया ने कमरा बनवा कर स्थानीय विद्यालय को समर्पित किया

-भामाशाह रामेश्वर प्रसाद कपूरिया का स्वागत किया

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खोरा लाड़खानी में भामाशाह रामेश्वर प्रसाद कपूरिया को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य संतोष सिंह कपूरिया ने की, मुख्य अतिथि सरपंच ईश्वर लाल जाट थे। स्थानीय विद्यालय के शारीरिक शिक्षक भुरामल जाट (प्रेरक) ने बताया कि भामाशाह रामेश्वर प्रसाद कपूरिया ने बहुत ही उत्कृष्ट कोटि का, 850000 की लागत का, कमरा बरामदे सहित निर्माण करवा कर स्थानीय विद्यालय महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खोरा लाड़खानी को समर्पित किया, इसके लिए प्राचार्य एवं स्थानीय विद्यालय के समस्त स्टाफ ने हृदय से आभार व्यक्त किया। भामाशाह रामेश्वर प्रसाद कपूरिया का कहना है कि स्थानीय विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम 100% उत्कृष्ट रहा एवं स्थानीय विद्यालय के प्रति हमेशा समर्पित रहेंगे। मंच पर अन्य पदासीन सिंबू सिंह शेखावत, जितेंद्र सिंह, प्रहलाद डिलान, जगदीश, प्रभात एवं बद्री कटारिया उपस्थित थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में तेजाराम लाइनमैन, गिरधारी कपूरिया, कालू कालू राम, गोविंद पुजारी, सिंबू रोलानिया, भगवान, लालाराम, बनवारी, मुकेश, भंवर मास्टर, रामसहाय प्रजापत, नरेंद्र योगी, विनोद गुप्ता, धर्मेंद्र वर्मा, सूरजमल मीणा, मुरलीधर मास्टर, अनिल शर्मा, मालीराम, सुरेश, भेरू एवं समस्त ग्राम वासी मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन से किया।

आत्महत्या की घटनाओं पर रोकथाम के लिए चलाया जाएगा गेटकीपर कार्यक्रम

-तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनिंग कार्यक्रम प्रारम्भ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में संचालित निरामय राजस्थान अभियान में मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता को जरूरी मानकर इस विषय को प्रमुखता से शामिल किया गया है। समाज में बढ़ती जा रही आत्महत्या की घटनाओं की रोकथाम के लिये प्रदेश में गेटकीपर कार्यक्रम संचालित किया जाएगा, जिसके शुरुआती चरण में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इसके बाद ट्रेनर्स जिलों और ब्लॉक स्तर के कार्मिकों को प्रशिक्षण देंगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रकोष्ठ एवं नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हैल्थ एंड न्यूरो साइंसेज के एन-स्प्रिट केन्द्र के सहयोग से राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में गुरूवार से आयोजित मास्टर्स ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में गेटकीपर कार्यक्रम के तहत लोगों में आत्महत्या या स्वयं को क्षति पहुंचाने के मामलों के लिए मनोवैज्ञानिक तरीके विषय पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

मिशन निदेशक ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत हताश और निराश तथा आत्महत्या की सोच रखने वाले व्यक्तियों को गेटकीपर के रूप में आसानी से प्रभावी मोटिवेटर उपलब्ध होंगे, जिनकी मदद से अवसाद से घिरे व्यक्ति को सही समय पर सही मार्गदर्शन मिल सकेगा और आत्महत्या का कारण बनने वाली समस्या के निराकरण में बड़ी मदद मिल सकेगी।

अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि मानसिक बीमारियां तेजी से बढ़ने लगी हैं। तनाव के विभिन्न कारण ऐसे भी हैं,जिन्हें पहचानने की क्षमता व्यक्ति में है तो वह

अपने स्तर पर प्रबंधन कर निजात पा सकता है। आत्महत्या रोकथाम में स्ट्रेस मैनेजमेंट बड़ी भूमिका निभाएगा। मनदर्पण, टेलीमानस, गेटकीपर प्रोग्राम आदि नवाचार गतिविधियों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को प्रदेश में और सुदृढ़ किया जा रहा है। इस कार्यशाला में जिलों में संचालित मानसिक स्वास्थ्य इकाई, चिकित्सकगण एवं कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं। विभिन्न तनकीकी सत्रों के माध्यम से सेल्फ हार्म या सुसाइड की स्थिति में किए जाने वाले इंटरवेंशन पर विस्तार से आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी।

प्रशिक्षण कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर एसएसएम मनोचिकित्सा केंद्र के अधीक्षक डॉ. ललित बत्रा, निदेशक सीफू डॉ. एसएस अग्रवाल, यूनिसेफ के हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ. अनिल अग्रवाल, एसएनओ मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. सांवरमल स्वामी आदि मौजूद थे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्यमंत्री ने किया शिविरों का अवलोकन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने गुरूवार को सिरोही में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के तहत बागसीन व अरठवाडा में आयोजित शिविरों का अवलोकन किया। राज्यमंत्री देवासी ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन शिविरों में विभिन्न विभागों के कार्यो का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन विभागों में राजस्व, शिक्षा, पशुपालन, डिस्कॉम, पीएचईडी, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, रसद, कृषि सहित विभिन्न विभाग सम्मिलित है। जिनमें बिजली के झुलते तारों को खिचवाना, लंबित नल कनेक्शन शीघ्र जारी करना, लंबित नामान्तरणों का निस्तारण, रास्ते के प्रकरणों का निस्तारण, नर्सरियों से पौधों का वितरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, एनसीडी स्क्रीनिंग, टीकाकरण, मंगला पशु बीमा का लाभ, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों का सत्यापन सहित विभिन्न कार्य करवाएं जा रहे है। उन्होंने प्रत्येक आमजन से इन शिविरों के तहत करवाएं जा रहे कार्यों का लाभ उठाने एवं अन्य को भी प्रेरित करने की बात कही। उन्होंने शिविर में मौजूद विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों से आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप राहत पहुचाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने इस दौरान वहां मौजूद ग्रामीणों से संवाद भी किया तथा उनके द्वारा बताई गई समस्याओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। शिविर के दौरान राज्य मंत्री देवासी सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा विभिन्न लाभार्थियों को कार्यों से संबंधित दस्तावेजों तथा पट्टे स्वीकृतियां आदि का वितरण किया गया। वहीं राज्यमंत्री देवासी व सांसद लुम्बाराम चौधरी ने सिरोही में रामदेव मंदिर परिसर में भील समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की तथा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सोशल मीडिया इन्फ्लु एंसर्स ने देखी विधान सभा

– विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा - नवाचार करना उनका स्वभाव

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधान सभा अध्य क्ष वासुदेव देवनानी ने सोशल मीडिया इन्फ्लु एंसर्स का आव्हाान किया है कि वे परिवार, समाज, प्रदेश और देश को देने वाले सोशल मीडिया कन्टेफन्ट पर गंभीर चिन्त न करें। इन कन्टेकन्टमस का युवा पीढ़ी पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उन्हों ने कहा कि सोशल मीडिया पर पॉजिटिव को डोमिनेन्टर करो और नकारात्ममक बातों को हावी ना होने दो। आज का युग नया युग है। सोशल मीडिया प्रभावशाली है। वैज्ञानिक युग में मोबाइल से आई क्रान्ति ने सूचना तकनीकी को बढ़ावा दिया है। इससे अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन आ रहे है।

सकारात्म।क वातावरण बनाने वाले कन्ट़ेन्टहस अपलोड करें- राजस्थीन विधान सभा अध्यरक्ष देवनानी गुरूवार को विधान सभा में प्रदेश के विभिन्नस स्थाोनों से राजस्थाथन विधान सभा के भवन, सदन और राजनैतिक आख्योन संग्रहालय को देखने आए सोशल मीडिया इन्फ्लु एंसर्स को सम्बोनधित कर रहे थे। उन्होंयने सोशल मीडिया इन्फ्लु एंसर्स से अपेक्षा की है कि राष्ट्रस पर गर्व की अनुभूति, महिला सम्मायन को बढ़ावा और युवाओं में कुण्ठो दूर करने वाले कन्टेधन्ट्स को सोशल मीडिया पर अधिक से अधिक अपलोड करें ताकि समाज में सकारात्मरक वातावरण बन सके।

कन्टेमन्ट स अपलोड करने से पहले सोचे-

देवनानी ने कहा कि सोशल मीडिया इन्फ्लु एंसर्स सोशल मीडिया के लीडर्स है। उनके द्वारा सोशल मीडिया पर अपलोड किये जाने वाले कन्ट्न्टश का लोगों पर प्रभाव पडता है। उन्हें नेशन फर्स्टी का ध्याकन रखना होगा। भारतीय इतिहास पर गर्व की अनुभूति वाले कार्यों को प्रसारित करना होगा। राष्ट्र के अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, स्वा्स्य्ति , सामाजिक बुराइयों और युवाओं को प्रेरणा देने वाले कन्टेयन्टुस पर अपलोड करने से पहले चिन्तुन

करना होगा। विभिन्नर विषयों का अध्यरयन का विश्ले्षण अवश्य करें। देवनानी ने रामचरित मानस और गीता के अध्ययन के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए भी कहा।

नवाचार करना उनका स्वकभाव-

राजस्थानन विधान सभा अध्यहक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि नवाचार करना उनका स्व्भाव है। उन्हों ने कहा कि विधान सभा की डायरी का विक्रम संवंत से प्रकाशन, महापुरूषों के चित्रों का डायरी और कैलेण्डेर में समावेश, म्यूमजियम में संविधान दीर्घा का निर्माण, गुलाबी नगर की तर्ज पर गुलाबी सदन, पेपर लैस सदन सहित अनेक नवाचार विधान सभा में किये है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने विधान सभा के ऐतिहासिक सदन, भवन और विधान सभा म्यूजियम का अवलोकन किया। राजस्थान की लोकतांत्रिक परंपरा, संविधान निर्माण की प्रक्रिया, तथा विभिन्न ऐतिहासिक दस्तावेजों और दुर्लभ चित्रों को देखा।

विधिक जागरूकता के लिए प्रेरणादायक फिल्म प्रदर्शन जागरूकता अभियान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला द्वारा गुरुवार को समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे बाल विवाह, दहेज प्रथा एवं बालिका शिक्षा की उपेक्षा जैसे विषयों पर लोगों में विधिक जागरूकता फैलाने हेतु "लापता नहीं पहचान बनाती लेडीज- विधिक जागरूकता के लिए प्रेरणादायक फिल्म प्रदर्शन जागरूकता अभियान" का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान हरिओम शर्मा अत्री सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा बताया गया कि समाज में बाल-विवाह, दहेज प्रथा एवं बालिका शिक्षा की उपेक्षा जैसी कुरीतियाँ आज भी विद्यमान है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला द्वारा स्कूली बच्चों व आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान "लापता नहीं पहचान बनाती लेडीज- विधिक जागरूकता के लिए प्रेरणादायक फिल्म प्रदर्शन जागरूकता अभियान" की शुरुआत की जा रही है। पवन कुमार जीनवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला यह निर्णय लिया गया है कि समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे बाल विवाह, दहेज प्रथा एवं बालिका शिक्षा की उपेक्षा जैसे विषयों पर स्कूली विद्यार्थियों तथा आमजन को जागरूक करने हेतु दृश्यात्मक माध्यम के रूप में एक सशक्त और प्रभावशाली फिल्म "लापता लेडिज" की विशेष स्क्रीनिंग करवाये जाने का निर्णय लिया गया है चूंकि दृश्य कथा, विशेष रूप से युवा वर्ग में, सामाजिक मुद्दों को समझाने एवं स्मरणीय बनाने का अत्यंत प्रभावी तरीका है। साथ ही फिल्में गहरे स्तर पर भावनात्मक जुड़ाव बनाकर सकारात्मक परिवर्तन को उत्प्रेरित कर सकती है। अतः "लापता लेडिज" की विशेष स्क्रीनिंग हेतु सर्वप्रथम ऐसे स्कूलों व महाविद्यालयों का चयन किया जाएगा जहां प्रोजेक्टर पर उक्त फिल्म दिखाए जाने की व्यवस्था हो सके। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी के समन्वय स्थापित करते हुए चयनित स्कूलों व महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को शाला समय के पश्चात् उक्त फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित करवाई जाएगी। इसके साथ ही पंचायत समिति स्तर पर "लापता लेडिज" की विशेष स्क्रीनिंग हेतु ऐसे पंचायत भवनों और आंगनबाड़ी केन्द्रों का भी चयन किया जाएगा जहां पर प्रोजेक्टर के माध्यम से उक्त फिल्म दिखाए जाने की व्यवस्था हो सके। इसके लिए तालुकाओं तथा पंचायत समिति स्तर के स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए एक गांव एक स्क्रीन के तहत उक्त फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित करवाई जाएगी।

खेलों से शारीरिक व बौद्धिक विकास होता हैं- यादव

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। डॉक्टर महेश यादव के मुख्य आतिथ्य व मजदूर नेता अब्दुल अज़ीज़ लोहानी की अध्यक्षता में अन्तर्राष्ट्रीय खेल पत्रकारिता दिवस मनाया गया जिसमें पत्रकार मोहसिन खान को सम्मानित किया गया। डॉक्टर महेश यादव ने कहा कि खेलों से शारीरिक व बौद्धिक विकास होता हैं और खेल पत्रकार खेलों की जानकारी पाठकों तक पहुचाता है। यादव ने कहा कि खेल पत्रकारिता एक विशेष प्रकार की रिपोर्टिंग है जो खेल से जुड़ी खबरों और घटनाओं पर केंद्रित होती है, दूसरे शब्दों में खेल की कवरेज को खेल पत्रकारिता के रूप में जाना जाता है। खेल पत्रकार विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हैं।इस अवसर पर पत्रकार जाफ़र

खान लोहांनी व पत्रकार मोहम्मद फरमान पठान आदि उपस्थित थे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

गोडवाड़ सहीत दस पट्टीयों के प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी जोरो पर

पाली/फालना,(रॉयल पत्रिका)। देशवाली शेख बिरादरी इंतजामिया विकास समिति गोडवाड़ की आम बैठक रविवार को लाठी जोड़ दरगाह पर कमेंटी के सदर हाजी मोहम्मद सत्तार फालना की सदारत में रखी गई । बैठक में सबसे पहलें पूर्व बैठक की जानकारी समिति के सचिव बरकत अली द्वारा दी गई तत्पश्चात बैठक सूचारू रखते हुए डा. ईकबाल पठान ने सम्मान समारोह के आयोजन हेतू दिशा निर्देश दिए। बैठक को भव्य रूप देने एवं आर्थिक सहयोग के लिए पूर्व पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष शिवगंज हबीब शेख ने सभी को प्रेरित किया। वकील सफी मोहम्मद ने महत्वपूर्ण दिशानिर्देश देते हुए कानूनी विषयो पर अपने विचारो से अवगत कराया। सेवानिवृत लेखाधिकारी मोहम्मद सद्दीक पठान ने समारोह हेतू विभिन्न कार्यकारिणियो के गठन की विस्तृत चर्चा की। समारोह स्थल हेतू मोहम्मद रमजान प्रिन्स बाली, मोहम्मद हुसैन रानी- स्टेशन, हाजी मोहम्मद तखतगढ़, उमराव खाँ कवराड़ा ने अपने अपने विचार रखे। सद्दीक मोहम्मद नारलाई ने समारोह स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था हेतू अपने सझाव साझा किए। समारोह में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि के नामो के लिए हाजी मोहम्मद युसुफ, हाजी नूर मोहम्मद, नियाज मोहम्मद तखतगढ़, मोइनुद्दीन शिवगंज ने अपने अपने सुझाव दिये , समारोह में सम्मलित होने वाले सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के कटओफ पासिंग परसेंटेज के लिए मास्टर चिराग, मोहम्मद हुसैन फालना, फय्याज खाँन नाड़ोल, लियाकत अली घाणेराव, सलीम खान लुणावा, इरफान खान रानी, मोहम्मद तैशीफ पाली,मोहम्मद असफाक साण्डेराव ने गहन चर्चा के बाद सेकण्डरी व सीनियर सेकेंडरी के लिए75% एवं ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन हेतू 60% का निर्धारण किया गया, खजान्ची हाजी मोहम्मद ईशाक साबरी ने प्रोग्राम से जुड़ने वाले नये सदस्यो को और अधिक सदस्यो को जोड़ने का आहवान किया, समिति के सदर हाजी सत्तार फालना ने सभी उपस्थित सदस्यो को तेज वर्षा होने के बावजूद प्रोग्राम में आने के लिए शुक्रया अदा किया, आज की पूरी कार्यवाही का रजिस्टर में सह सैकेट्री मास्टर अनवर खाँ लुणावा द्वारा किया गया। आज की मिटिंग में मुख्य रूप से साबीर खाँन सुमेरपुर, मोहम्मद सकीर सुमेरपुर, मोहम्मद समीर फालना, अब्दूल रहमान फालना, मोहम्मद इमरान सुमेरपुर, मोहम्मद आबीद तखतगढ़, अब्दूल सत्तार नारलाई, सफी मोहम्मद बेड़ा, मोहम्मद इदरीश केशरपुरा, अय्युब खाँन शिवगंज, साकिर खाँन भूती, मुबारक खान रानी- स्टेशन, ईरफान खाँन रानी- स्टेशन, सैफ अली खान सुमेरपुर, वाहिद खान सुमेरपुर, सैफ अली खान सुमेरपुर, वाहिद खान सुमेरपुर, रमजू खाँजी नारलाई, जावेद शेख सुमेरपुर, अनवर खान तखतगढ़,मेहबुब भाई पाली, मोहम्मद ईन्साफ फालना,मोहम्मद हारून फालना, उमराव खाँजी नारलाई, मोहम्मद सलीम कोशेलाव, मोहम्मद शरीफ सुमेरपुर सही सभी गणमान्य व भामाशाहो ने भाग लेकर कमेंटी की होशला अफजाई की गई।

विदेश नीति के आईने में भारत: गर्जना बहुत, परिणाम कम डॉ. सुमीत गर्ग

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। जब पाकिस्तान जैसे देश को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) का अध्यक्ष बना दिया जाता है, और उससे पहले उसे संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद-निरोधक समिति (CTC) का उपाध्यक्ष भी बना दिया जाता है तो यह महज़ विडंबना नहीं, बल्कि भारत की विदेश नीति की सबसे गंभीर और वास्तविक विफलता की तस्वीर है। यह वही पाकिस्तान है, जो दशकों से आतंक की ज़मीन तैयार करता रहा है, और भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में आतंक फैलाने का दोषी रहा है। फिर भी, जब उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी जाती हैं, तो सवाल केवल पाकिस्तान पर नहीं, बल्कि उससे कहीं ज़्यादा भारत की कूटनीति की असरहीनता पर उठता है। भारत की विदेश नीति की सफलता का मूल्यांकन भाषणों, घोषणाओं या विदेश यात्राओं की संख्या से नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की वास्तविक हैसियत और उसके हितों की रक्षा से होता है। लेकिन हाल की घटनाओं ने यह दिखा दिया है कि भारत के पास शब्द भले ही बहुत हों, मगर परिणाम बेहद कम हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने इसी कटु सच्चाई को फिर सामने ला दिया। यह हमला निहत्थे, निर्दोष सैलानियों पर किया गया था, जिन्हें हमलावरों ने उनका धर्म पूछ कर मारा। इस अमानवीयता ने न केवल कश्मीर की वादियों को लहूलुहान किया, बल्कि पूरे देश की आत्मा को झकझोर दिया। मगर सबसे ज्यादा चोट तब लगी, जब भारत के सबसे करीबी माने जाने वाले रणनीतिक साझेदार "क्वाड" के देश अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने हमले की निंदा तो की, पर जिसने इस आतंक की ज़मीन तैयार की, उस पाकिस्तान का नाम लेने से भी कतराए। बावजूद इसके की भारत ने आतंकवाद की फैक्ट्री के पीछे खड़े देश पाकिस्तान का नाम लेने की कोशिश की, मगर क्वाड देश भी पाकिस्तान का नाम लेने से डरते रहे। यह घटना सिर्फ़ एक राजनयिक असफलता नहीं है, बल्कि उन निर्दोष भारतीयों की आत्मा के अपमान के समान है, जिनकी जान धर्म पूछकर ली गई। इसके तुरंत बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने सीमाओं पर जवाब देने का साहसिक कदम तो उठाया, मगर अंतरराष्ट्रीय मंच पर वही पुरानी तस्वीर दोहराई गई। पाकिस्तान के साथ तुर्किए, चीन, अज़रबैजान जैसे देश खड़े हो गए, जबकि भारत के साथ न कोई छोटा और न ही कोई बड़ा देश खुलकर सामने आया। यह अकेलापन बताता है कि भाषणों, यात्राओं और मंचीय गर्जनाओं से परे जाकर अगर ठोस कूटनीति न हो, तो भारत की आवाज़ दुनिया में कितनी कमजोर पड़ जाती है। दुखद यह भी है कि IMF और ADB जैसे संस्थान आतंक को शह देने वाले पाकिस्तान को अरबों डॉलर का ऋण देते रहते हैं, और भारत बार-बार केवल 'गंभीर चिंता' प्रकट करता है। कतर में प्रवासी भारतीयों के लिए वीज़ा प्रतिबंध हटवाने जैसे छोटे मगर महत्वपूर्ण मामलों में भी decisive (निर्णायक) हस्तक्षेप करने में भारत विफल रहा। यहाँ तक कि SCO जैसे मंच पर भी, जहाँ भारत आतंकवाद पर चर्चा करता है,पर वहां भी प्रस्ताव में 'आतंकवाद' शब्द तक नहीं जुड़वा पाता। इस सबके बीच सीधा सवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बनता है। क्या यही है वह 'विश्वगुरु भारत' जिसकी तस्वीरें और भाषण हमें दिखाई और सुनाई जाती हैं? विदेश मंत्री जयशंकर वैश्विक मंचों पर बार-बार प्रभावहीन साबित हो रहे हैं ना पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेनक़ाब कर पाए, ना भारत के लिए ठोस वैश्विक समर्थन जुटा पाए। अगर भारत की साख को वाकई बचाना है, तो प्रधानमंत्री को चाहिए कि तुरंत प्रभाव से विदेश मंत्रालय के नेतृत्व में बदलाव लाएँ, और सिर्फ़ दिखावे की नहीं, परिणाम दिलाने वाली कूटनीति को प्राथमिकता दें। भारत के पास शब्दों की कमी कभी नहीं रही है। मंचों पर गर्जनाओं की भी कमी नहीं रही है। लेकिन असली सवाल यही है कि जब निर्दोष सैलानियों का धर्म पूछकर कत्ल होता है, जब भारत जवाब देता है, तब क्या दुनिया भारत के साथ खड़ी होती है? जवाब बार-बार 'नहीं' ही आता है। शब्दों की नहीं, परिणाम की ज़रूरत है। अगर बार-बार हम सिर्फ़ चिंता जताते रहेंगे और दुनिया चुपचाप मुँह फेर लेगी, तो हमारी गर्जनाएँ चाहे जितनी ऊँची हों, असरहीन ही साबित होंगी। आज भारत को ऐसी विदेश नीति चाहिए, जो साहस के साथ अपने दोस्तों और दुश्मनों को साफ़-साफ़ पहचाने और ज़रूरत पड़ने पर निर्णायक कदम उठाए वरना हर बार इतिहास खुद को दोहराएगा, और भारत फिर अकेला रह जाएगा।

असामाजिक तत्वों पर उचित कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सोपा

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सर्व समाज द्वारा पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन दिया गया जिसमें वार्ड संख्या 53 स्थित मोहल्ला लुहारान चूरू से बारात सरदारशहर के लिये रवाना हुई। सरदारशहर पहुंचने से पूर्व बारात में शामिल एक स्कोर्पियों गाडी दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है। जिसमें दो युवाओ की दर्दनाक मौत हो गयी तथा अन्य 4 युवा गम्भीर रूप से घायल हो गये, इस दुखःद घटना के लिये रिपोर्ट दिनेश कुमावत ने सोशल मिडिया एकाउण्ट पर पोस्ट लगाकर इस दुखःद घटना के संबंध में गहरी संवेदना प्रकट की उसी पोस्ट के कॉमेन्टस में आकर आध्यात्मिक स्वास्थ्य संगठन नाम से एक फेसबुक आई.डी से इस दुखद घटना के संबंध में एक आपत्तिजनक कॉमेंट कर शांति एवं कानून व्यवस्था को भंग करने तथा धार्मिक भावना आहत करने का कार्य किया है। इस सम्बंध में 27 जुन 2025 को एक प्रार्थना पत्र पुलिस थाना कोतवाली चूरू में दिया था। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी, बार बार पुलिस थाना के चक्कर लगाये जा रहे है। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। सर्व समाज के लोग इस घटना को बहुत ही दुःखद मानते है, यदि उक्त व्यक्ति के विरूद्ध पुलिस कार्यवाही नहीं की गयी तो सर्वसमाज की ओर से बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जावेगा। अतः प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन है कि आध्यात्मिक स्वास्थ्य संगठन आई.डी. को चलाने वाले व्यक्ति के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही कर सख्त से सख्त सजा दी जाए ताकि कोई भी व्यक्ति ऐसी दुर्घटनाओं पर गलत भाषा का प्रयोग न करें एवं प्रशासन जल्द से जल्द संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करें।

राउमावि शेरपुर में किए गए पौधे वितरित

शादाब अली

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत आज राउ मावि शेरपुर में वृक्षारोपण करने हेतु विद्यार्थियों, अभिभावकों, एवं विद्यालय स्टाफ को पौधे वितरित किए गए। नफीस अहमद शारीरिक शिक्षक ने बताया कि विद्यार्थियों से अपने घरों खेतों एवं उद्यानों में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया इस अवसर पर संस्था प्रधान श्रीमती निशु अग्रवाल, यूथ एवं इको क्लब प्रभारी मोहम्मद अजहरूद्दीन, सोनम मीणा प्रियंका मीणा मंजू अग्रवाल प्रभा मित्तलअंजना जैन गोदावरी मीणा अर्चना शर्मा अंजू मीणा, शमा परवीन, ज्ञानेश्वर माथुर, रेवती नंदन, कमलेश बैरवा, सत्यनारायण सोनी, नरेंद्र सिंह मनीषा, गुर्जर शशि मीणा आदि स्टाफ कार्मिक उपस्थित रहे।

बसने की जमीन नही होने से गरीब परिवार सरकारी जमीन पर मजबूरी में कर रहे अतिक्रमण

-पंचायतीराज, मुख्यमंत्री से नई आबादी की जमीन आवंटित करने की मांग

एम यासीन

पाली,(रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन पाली जिलाध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मेल ओर पत्र लिख कर राजस्थान के साथ पाली जिले की सभी गांवों में नई आबादी की जमीन आवंटित करने की मांग की। जागरवाल ने पत्र में लिखा कि गांवों में बसने वाले परिवारों की संख्या बढ़ गई गांव में रहने की जमीन लगातार कम पड़ रही है परिवार व पीढ़ियां बढ़ने पर रहने की जगह नहीं के बराबर है ओर सम्पन्न परिवार जमीन खरीद कर अपना मकान बना लेते मगर गरीब परिवार कहा जाए। आज हर गांव में गरीब परिवार के लोग 25 से 30 बीघा सरकारी जमीनो पर मजबूरी में अतिक्रमण कर अपने परिवार के साथ निवास कर मजदूरी कर परिवार का पेट पाल रहे है । राजस्व विभाग हर वर्ष अतिक्रमण हटा कर गरीब परिवारों को बेदखल कर रहे है लेकिन ये परिवार जाए तो जाए कहा। आजादी के बाद कोई भी सरकार आई मगर हर गांव में आबादी के अनुरूप नई आबादी की जमीन आवंटित नहीं कर पाई। आजादी के बाद गांवों में वोटो की संख्या तो बढ़ी पर आबादी क्षेत्र नहीं बढ़ा गरीब परिवार गांव के पास सिवाय चक या गोचर ओरण में अतिक्रमण कर कच्चे मकान बनाकर जीवन यापन करने को मजबूर है। सरकार हर वर्ष प्रशासन गांवों की और राजस्व कैंप लगा कर खाना पूर्ति कर देती मगर इस तरह के आबादी के प्रस्ताव लेकर हर गांव में जनसंख्या के आधार से नई आबादी की जमीन आवंटित नहीं कर पाई। अब आवश्यकता है गरीब परिवार के साथ आम जन को अपने रहने के लिए मकानो की जगह मिल सके। जागरवाल ने मुख्यमत्री से पुर जोर मांग की है कि इस वर्ष जनहित में हर गांव में गरीब लोगों को बसाने के लिए नई आबादी की जमीन आवंटित कर गांवों में अतिक्रमण कर जो परिवार बसे हुए उनको नियमन कर पट्टे देने की पहल करें। इस बाबत पाली विधायक भीमराज भाटी को भी पत्र लिख कर अवगत करवाया ताकि अगले विधानसभा सत्र में मांग कर सदन के पटल पर रखेंगे

विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत, परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के मानटाउन थाना क्षेत्र स्थित बाल मंदिर कॉलोनी में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है. परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है. पुलिस उपाधीक्षक उदय सिंह मीणा का कहना है कि मृतका के पीहर पक्ष के परिजनों की रिपोर्ट पर ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है. मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया जायेगा. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता लग पायेगा। मृतका के पिता ने तेजराम रैगर ने बताया कि उसने अपनी पुत्री का विवाह 2019 में चंचल उर्फ लोकेश रैगर के साथ संपन्न किया था। मृतका के पिता का आरोप है कि विगत दो सालों से प्रियंका का पति उसके साथ जमकर मारपीट किया करता था. दहेज के लिए दबाव बनाता था। प्रियंका इसकी शिकायत कई बार परिजनों को कर चुकी थी. परिजनों का आरोप है कि शराब के नशे में धुत होकर लोकेश उसके साथ मारपीट करता और उसे प्रताड़ित किया करता था। तेजराम ने बताया कि पति की हरकतों से तंग आकर प्रियंका ने 1 जुलाई को पुलिस कंट्रोल रूम पर फोन भी किया था। जिस पर मानटाउन थाने से पुलिसकर्मी उसके घर पहुंचे और लोकेश को हिदायत दी थी कि अगर उसने प्रियंका को फिर से परेशान किया गया, तो पुलिस उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी. तेजराम का आरोप है कि पुलिस की हिदायत के बाद दूसरे ही दिन ससुराल वालों ने प्रियंका के साथ जमकर मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई. परिजनों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए प्रियंका का शव नहीं लेने की चेतावनी दी और कहा है कि जब तक ससुराल पक्ष के आरोपी गिरफ्तार नहीं होंगे, तब तक वह शव नहीं लेंगे। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हे। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की सही पुष्टि हो पाएगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का जन्मदिन मनाने उमड़े कार्यकर्ता

पाली,(रॉयल पत्रिका)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ के जन्मदिन पर बुधवार को समूचे जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में जोरदार उत्साह नजर आया। वहीं देश के प्रमुख भाजपा नेताओं समेत प्रदेश भर से उनको बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ हैं। राठौड़ के पाली निवास पर भारी भीड़ का जमावड़ा हैं। उनको माला व साफा पहनाकर जन्मदिन की बधाई देने के लिए होड़ मची हैं। राठौड़ के जन्मदिन पर देश में खुशहाली और उनकी लंबी उम्र की कामना भी की जा रही हैं। सामाजिक सरोकार तथा समाजसेवा के कार्यों में गायों को लापसी, गुड़ व हरे चारे का भोजन भी करवाया गया हैं। राठौड़ को गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिँह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत भाजपा नेताओं ने राठौड़ को जन्मदिन की दी शुभकामना दी हैं। वहीं सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने भी दी शुभकामना दी हैं। राठौड़ के निवास पर कलेक्टर एलएन मंत्री और एसपी चुनाराम जाट जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी,पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख ने पहुंच कर उनको जन्मदिन की बधाई दी। इधर, बुधवार को शहर समेत जिले भर में बारिश का दौर जारी हैं। सुबह से ही रिमझिम और मूसलाधार बरसात हो रही हैं, इससे पिछले कई दिनों से उमस और गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली हैं। वही आज हो रही बारिश से किसानों के चहरे पर खुशी नजर आ रही है।

भाजपा ने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर देहात में सरगर्मियां तेज की

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। भाजपा ने आगामी पंचायत चुनावो की तैयारी को लेकर भाजपा देहात मण्डल में कार्यकर्ताओ ने कार्य योजना बनानी प्रारंभ कर दी है। इसी क्रम में चूरू विधानसभा के बूटियां मण्डल के अध्यक्ष विजय कुमार कस्वां की अध्यक्षता में आगामी पंचायत चुनावो की तैयारियों के संदर्भ में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यकर्ताओ को दायित्व प्रदान किये गये। मण्डल अध्यक्ष विजय कुमार कस्वां ने बताया कि इसमें अध्यक्ष पद पर रणवीर कस्वां व उपाध्यक्ष पद पर लालचंद फौजी व प्रभारी रामावतार शर्मा को सर्वसम्मती से मनोनित किया गया है।इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष विजय कुमार कस्वां ने कहा कि पार्टी को ग्रामीण अंचल में इससे मजबूती प्रदान होगी यह कमेटी ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक मतदाता तक जाकर पार्टी की गतिविधियों को संचालित करेगी एवम् डबल इंजन सरकार की कार्य योजनाओं के बारे में आमजनता को जानकारी देगी। उन्होने विश्वास व्यक्त करते हुऐ कहा कि आने वाले पंचायत चुनावो में पार्टी विजय प्राप्त करेगी क्योंकि जिस प्रकार भाजपा सरकार ने ग्रामीण अंचल के लिए योजना बनाकर उन्हे धरातल पर उतारा है उससे ग्रामीण जनता में पार्टी एवम् सरकार के प्रति सकारात्मक भाव पैदा हुआ है क्योंकि समाज के हर वर्ग के लिए सरकार ने कार्य योजना बनाकर उन्हे इमानदारी से लागू भी किया है। इस अवसर पर रामनिवास शर्मा, शंकरलाल महर्षि, भजनलाल कस्वां, बहादुर सिंह कस्वां, रामस्वरूप कस्वा, चेतराम सरावग, परमेश्वर शर्मा, मनेज कस्वा, सत्यनारायण शर्मा, मुकेश शर्मा, सुशील शर्मा, दलीप स्वामी, मांगीलाल शर्मा, सुरेन्द्र ढाका सहित अनेक कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सरकार जनहित के कार्यों में पूरी तरह समर्पित,जोराराम कुमावत

-केबिनेट मंत्री ने जनहित को समर्पित की परियोजनाएं

पाली/सुमेरपुर(रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार जनहित के कार्यों में पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग के लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ दे रही है। मंत्री कुमावत ने यह बातें विधानसभा क्षेत्र के गांव सांडेराव में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में कही। उन्होंने जनहित को समर्पित परियोजनाओं का उद्घाटन एवं आधारशिला रखी। कुमावत ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये विकास कार्य स्थानीय जनता के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने में सहायक सिद्ध होंगे तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई गति प्रदान करेंगे। इससे पहले मंत्री कुमावत ने भूतमगरी सांडेराव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में नवनिर्मित टीन शैड भवन का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से 450 लाख रुपए की स्वीकृत राशि से सात किमी. लंबी सांडेराव कोसेलाव-पावा से जोड़ चोराया मोकलसर सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। वहीं, राजस्थान सरकार की बजट घोषणा-2025-26 में स्वीकृत दो करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले करीब सवा किलोमीटर लंबे अटल प्रगति पथ का भी मंत्री जोराराम कुमावत ने शिलान्यास किया। इस अटल प्रगति पथ का निर्माण प्रजापतों के प्याऊ से मेन गेट सांडेराव से बस स्टैंड होते हुए कोसेलाव सड़क तक किया जाएगा। 1800 वृक्षों के लक्ष्यपूर्ति के लिए वृक्षारोपण इसके साथ ही जोराराम कुमावत ने गंगावेरी रोड में गोचर चरागाह पर 1800 वृक्षों के लक्ष्यपूर्ति के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। मंत्री कुमावत ने कार्यक्रम स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष प्राणवायु प्रदान करते हैं। सभी के लिए पौधारोपण करना और उसे बचाना बेहद जरूरी है। वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाने मे सहयोगी हैं। साथ ही हमें फल, फूल व लकड़ियां प्रदान करते हैं।

इन सौगातों पर ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत के प्रयासों से ग्रामीणों की मांग पर शिक्षा विभाग द्वारा भूतमगरी सांडेराव स्कूल को क्रमोन्नत करने तथा राजकीय महात्मा गांधी स्कूल में कला एवं कृषि विज्ञान संकाय खुलवाने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। स्थानीय लोगों ने मंत्री का आभार भी जताया। इसके अलावा सांडेराव से चंद्रेश्वर महादेव स्वीकृति पर भी मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किय।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर इस अवसर पर पंचायत समिति सुमेरपुर की प्रधान उर्मिल कंवर, जिला परिषद सदस्य तनुश्री चौहान, जिलामंत्री पूनम सिंह परमार, पंचायत समिति सदस्य भावना देवी, सांडेराव सरपंच हाकु देवी, पूर्व जिला मंत्री मुकन सिंह राणावत, सरपंच प्रतिनिधि रमेश कुमार, पूर्व मंडल अध्यक्ष भगवत सिंह पावा, महिपाल सिंह जोधा, मंडल उपाध्यक्ष शंकर सिंह काकू, एसडीएम कालूराम, बीडीओ प्रमोद दवे, अमर सिंह, हिंगोला, जबरसिंह, पावा, तिरपाल सिंह राणावत, बांगड़ी, बूथ अध्यक्ष गोपाल सिंह, आंकदड़ा, कपूराराम घांची, पन्नालाल माली, गोरधन सिंह राजपुरोहित, इंद्र सिंह जाखोड़ा, नरेंद्र देवासी, जोराराम देवासी, हनुमानदास वैष्णव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, कार्यकर्ता और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी राजकीय विधालय में विज्ञान संकाय खोले जाने पर विधायक

-हरलाल सहारण ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व पूर्व नेताप्रतिपक्ष का आभार जताया

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान सरकार द्वारा सत्र 2025-26 मे दुधवाखारा, धांधू, झारिया, पिथिसर, राणासर, रामसरा, सहजूसर में महात्मा गांधी राजकीय विघालय अंग्रेजी माध्यम में विज्ञान संकाय खोले जाने पर विधायक हरलाल सहारण ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुऐ कहा कि इस संदर्भ उन्होने पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के साथ मिलकर इस विज्ञान संकाय खोलने की मांग प्रदेश सरकार से रखी थी। जिसपर प्रदेश सरकार ने सकारात्मक रूप अपनाते हुऐ विज्ञान संकाय की धोषणा महात्मा गांधी राजकीय विघालय अग्रेजी माध्यम में की है। इस अवसर पर उन्होने कहा कि विज्ञान संकाय खुलने से यहां पढ़ने वाले विधार्थियों को लाभ होगा। एवम् गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उन्हे इन ग्रामीण क्षेत्र के विधालयों में मिल पायेगा। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र का विकास करना है। इसके लिए इस डबल इंजन सरकार ने अपने कार्यकाल में विकास के विजन को लागू किया है। उन्होने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एवम् पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का आभार व्यक्त करते हुऐ कहा कि इन नेताओं ने क्षेत्र की समस्या की और ध्यान देकर विज्ञान संकाय खोलने की धोषणा की जिससे क्षेत्र के विधार्थियों को ना केवल अपने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी बल्कि उन्हे इससे आर्थिक नुकसान भी नही होगा एवम् बालिकाओं के लिए इस धोषणा से विशेष लाभ मिलेगा क्योंकि इस संकाय के खुलने से छात्राए अपने मन पसंद के अनुसार विषय लेकर उच्च अध्ययन कर पायेगी जिससे क्षेत्र को प्रतिभावान छात्र छात्राओं का लाभ होगा। इस धोषणा पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण ने प्रसंन्ता व्यक्त की है।

नेपाल में नायक समाज के छात्र गजेंद्र व वरुण ने रजत पदक एवं कांस्य पदक जीता

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नेपाल में आयोजित आठवीं एशिया कप ओपन इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में नायक समाज के खिलाड़ियों ने रचा इतिहास प्रतियोगिता में पीएम केंद्रीय विद्यालय चूरू के छात्र गजेंद्र जाखटिंया व वरुण जाखटिंया ने रजत पदक एवं कांस्य पदक जीते ।पोखरा नेपाल से टीम चूरू पहुंचने पर विभिन्न संगठनों ने विजेता खिलाड़ियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति जिला इकाई चूरू के जिला अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक ने सभी को फूल माला एवं मिठाई खिलाकर चुरु आगमन पर स्वागत किया।

सेंसेक्स 300 अंक चढ़कर 83,700 पर पहुंचा: निफ्टी में 100 अंकों की तेजी

-IT मेटल और ऑटो सेक्टर में खरीदारी, बैंकिंग शेयर फिसले

आज शेयर बाजार में मजबूती का माहौल देखने को मिल रहा है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंक चढ़कर 83,700 के आसपास ट्रेड कर रहा है, जबकि निफ्टी भी 100 अंक की बढ़त के साथ 25,450 के करीब पहुंच गया। मार्केट में IT, मेटल और ऑटो सेक्टर में अच्छी खरीदारी देखने को मिल रही है, वहीं बैंकिंग शेयरों में हल्की कमजोरी बनी हुई है।हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन आज यानी गुरुवार, 3 जुलाई को सेंसेक्स करीब 300 अंक चढ़कर 83,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 100 अंक की तेजी है ये 25,550 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में तेजी है। पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स और टेक महिंद्रा चढ़कर कारोबार कर रहे हैं। कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व और टाइटन में गिरावट है। निफ्टी के 50 में से 34 शेयरों में तेजी, 14 में गिरावट और दो बिना बदलाव के हैं। NSE के IT, मेटल और ऑटो सेक्टर में तेजी है। बैंकिंग शेयरों में मामूली गिरावट है।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.075% गिरकर 39,733 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.92% चढ़कर 3,103 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.08% गिरकर 23,961 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.074% ऊपर 3,457 पर कारोबार कर रहा है। 2 जुलाई को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.024% नीचे 44,484 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.94% चढ़कर 20,393 पर और S&P 500 0.47% ऊपर नीचे 6,227 पर बंद हुए।

2 जुलाई को घरेलू निवेशकों ने ₹3,808 करोड़ के शेयर खरीदे

2 जुलाई को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने कैश सेगमेंट में 3,531.76 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 3,807.76 करोड़ रुपए की खरीदारी की। जून महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 7,488.98 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में ₹72,673.91 करोड़ की नेट खरीदारी की थी। मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में ₹67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

कल 288 अंक गिरा था शेयर बाजार

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार, 2 जुलाई सेंसेक्स 288 अंक गिरकर 83,410 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 88 अंक की गिरावट रही, ये 25,453 पर बंद हुआ। सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से सेंसेक्स में करीब 700 अंक और निफ्टी में करीब 200 अंक की गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में तेजी और 16 में गिरावट रही। टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट 3.60% तक चढ़े। बजाज फिनसर्व, L&T और बजाज फाइनेंस 2% तक गिरे। NSE का रियल्टी इंडेक्स 1.44%, बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज भी 1% तक गिरे। IT, मेटल, फार्मा और ऑटो शेयरों में तेजी रही।

आईटी और मेटल सेक्टर में शानदार तेजी

आज के कारोबार में टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक जैसे आईटी शेयरों में 1-2% तक की तेजी देखने को मिली। ग्लोबल बाजारों में टेक सेक्टर में मजबूती और डॉलर इंडेक्स में हल्की नरमी की वजह से आईटी शेयरों में खरीदारी बढ़ी है। वहीं मेटल सेक्टर में टाटा स्टील, हिंडाल्को, जेएसडब्ल्यू स्टील जैसे शेयरों में भी 1.5% तक की तेजी है। मेटल सेक्टर को चीन में डिमांड में सुधार की उम्मीदों का फायदा मिल रहा है, जिससे निवेशकों का रुझान बना हुआ है।

ऑटो सेक्टर में मजबूती, मारुति और महिंद्रा में तेजी

ऑटो सेक्टर के शेयरों में भी आज अच्छी खरीदारी देखी गई। मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और हीरो मोटोकॉर्प में 0.8% से 1.2% तक की तेजी है। जून में ऑटो सेल्स डेटा में सुधार और मॉनसून की अच्छी शुरुआत से ग्रामीण मांग में सुधार की उम्मीदों से ऑटो सेक्टर में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है।

बैंकिंग शेयरों में गिरावट, पीएसयू बैंक ज्यादा प्रभावित

हालांकि बाजार में तेजी के बावजूद बैंकिंग सेक्टर में दबाव बना हुआ है। इंडसइंड बैंक, एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, पीएनबी जैसे शेयरों में 0.5% से 1% तक की गिरावट देखने को मिली। एनबीएफसी और माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में कर्ज वसूली को लेकर आशंकाओं और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव से बैंकिंग शेयरों पर दबाव है।

त्यौहारों पर सौहार्द कायम रखने में सहयोग की अपील

-सभी को साथ लेकर कोटा जिले को बनाएंगे बेहतर-कलक्टर

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि आगामी त्यौहारों के दौरान जिले में सभी वर्ग एवं समुदाय आपसी भाईचारा कायम कर सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने सौहार्दपूर्ण माहौल कायम रखने में सभी धर्मगुरुओं, सामाजिक-धार्मिक संगठनों, समाजसेवियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों से सहयोग की अपील की। जिला कलक्टर गुरूवार को कलेक्ट्रेट स्थित न्यू सभागार में कोटा जिले के विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी धर्म-सम्प्रदाय एवं वर्गों के सहयोग से विभिन्न त्यौहारों का सफल आयोजन हो, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सभी समुदाय एवं वर्गों को साथ लेकर कोटा जिले को और बेहतर बनाने की दिशा में आगे कदम बढ़ाए जाएंगे।

ताजियों के रूट की व्यवस्थाएं चेक करें

समारिया ने त्यौहारों को देखते हुए नियुक्त कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों को संयुक्त रूप से मोहर्रम के ताजिए निकलने वाले रूट की विजिट कर समस्त व्यवस्थाओं की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखते हुए किसी भड़काऊ पोस्ट पर संज्ञान लेने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को ताजियों के रूट पर कचरे एवं नालियों की सफाई तथा मेनहॉल ढकने के निर्देश दिए। साथ ही, आवारा पशुओं को भी हटाने के निर्देश दिए।

झूलते तारों को ठीक किया जाए

जिला कलक्टर ने मानसून के दौरान हुई भारी वर्षा को देखते हुए अपील की कि सभी सतर्कता एवं सावधानी बरतें। उफनते हुए नालों एवं पानी के तेज बहाव में नहीं जाएं। उन्होंने आपदा प्रबंधन एवं नगर निगम अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए पूरी तैयारियां रखने के निर्देश दिए। केईडीएल अधिकारियों को झूलते तारों को सही करने एवं ताजियों के रूट पर विजिट कर ट्रांसफॉर्मर एवं अन्य पॉइन्ट्स चेक करने के निर्देश दिए।

सोशल मीडिया पर विशेष सावधानी रखें

बैठक में कोटा शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने सोशल मीडिया पर विशेष सावधानी एवं सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने सोशल

मीडिया पर किए जाने वाले दुष्प्रचार की निगरानी में सभी का सहयोग मांगा। उन्होंने अपील की कि साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट संज्ञान में आते ही तुरंत डिलीट करवाकर समाज के गणमान्य लोग उसका खंडन करें ताकि ऐसी पोस्ट आगे प्रसारित होने पर उसकी सच्चाई लोगों के सामने आ सके एवं लोग भ्रमित न हों। उन्होंने अपील की कि त्यौहार एवं धार्मिक आयोजनों के समय माहौल बिगाड़ने के किसी भी प्रयास को विफल करते हुए विभिन्न धर्म एवं समाजों के प्रभावी लोग पहल कर शांति एवं सौहार्द कायम रखें।

पुलिस अधीक्षक शहर ने चंबल नदी का बढ़ा हुआ जल स्तर देखते हुए ताजिए ठंडे किए जाने वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा नाव एवं अन्य राहत व बचाव उपकरणों की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों से पानी के तेज बहाव वाले स्थानों पर नहीं जाने की अपील की। बैठक में विभिन्न धर्म गुरुओं ने त्यौहारों के दौरान भाईचारा एवं सौहार्द कायम करने में जिला प्रशासन एवं पुलिस को पूरी तरह से सहयोग प्रदान करने की आमजन से अपील की। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस आराधना चौहान, अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग कृष्णा शुक्ला, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर अनिल सिंघल, दोनों नगर निगमों के आयुक्त सहित कार्यपालक मजिस्ट्रेट, अन्य अधिकारी, समाजसेवी संस्थाओं, सीएलजी एवं शांति समिति सदस्यों एवं पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया और त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन के संबंध में अपने सुझाव दिए।

हर व्यक्ति को अपने जीवन में साल में एक पेड़ -पौधा अवश्य लगाना चाहिए - एम ए पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में सामाजिक कार्यकर्ता जर्नलिस्ट मोहम्मद अली पठान का जन्मदिन स्कूल स्टाफ द्वारा पेड़-पौधे लगाकर मनाया गया। स्कूल के निदेशक अख्तर खान रुकनखानी ने कहा कि आपकी समाज सेवाएं एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणीय भूमिका रही है। आपने पत्रकारिता के साथ-साथ समाज के कई सामाजिक मुद्दों को भी उठाया है। और शहर में कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं। मोहम्मद अली पठान ने कहा कि सामाजिक जागरूकता जरूरी है और इसके साथ-साथ वातावरण को शुद्ध रखना पर्यावरण को जीवित रखना यह हमारी जिम्मेदारी है।हर इंसान को अपनी जिंदगी में अपने जन्मदिन पर साल में एक बार

पौधारोपण जरूर करना चाहिए। और सभी का आभार व्यक्त किया। शिक्षक असलम खान, शिक्षक जान मोहम्मद, शिक्षिका अल्ला देई, प्रधानाध्यपीका सबीना बानो आदि उपस्थित रहे।

पाकिस्तानी सेलेब्स के सोशल मीडिया अकाउंट भारत में फिर एक्टिव

-शोएब अख्तर, मावरा होकैन समेत कई कलाकार शामिल

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बढ़े तनाव के बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स पर बैन लगाया था। इस बैन के तहत कई पाकिस्तानी कलाकार, क्रिकेटर और पब्लिक फिगर के इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब और ट्विटर (एक्स) अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिए गए थे। लेकिन अब सामने आया है कि पाकिस्तानी सेलेब्स के कई सोशल मीडिया अकाउंट भारत में फिर एक्टिव हो गए हैं, जिन्हें भारतीय यूजर्स आसानी से देख और फॉलो कर पा रहे हैं। इनमें पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर, अभिनेत्री मावरा होकैन, माहिरा खान, हुमायूं सईद, आतिफ असलम और अली जफर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। पाकिस्तानी सेलेब्स और न्यूज चैनल्स के सोशल मीडिया अकाउंट भारत में एक्टिव हो गए हैं। पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर, शाहिद अफ्रीदी, बासित अली, राशिद लतीफ के यू-ट्यूब चैनल्स समेत ARY डिजिटल, हम टीवी और हर पल जियो के अकाउंट फिर से देखे जाने लगे हैं। भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त इन पर बैन लगाया था। सरकार की ओर से बैन हटाने की ऑफिशियल जानकारी अभी नहीं दी गई है। ये अकाउंट 3 महीने बाद कैसे एक्टिव हुए हैं, इसकी जानकारी नहीं है।

16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल्स ब्लॉक किए गए थे

केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद कई अकाउंट्स ब्लॉक कर दिए थे। 27 अप्रैल को केंद्र सरकार ने भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ कंटेंट, झूठे बयान और गलत सूचना फैलाने के आरोप में 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल्स ब्लॉक कर दिए थे, जिनके कुल मिलाकर लगभग 63.08 मिलियन सब्सक्राइबर हैं।

पाकिस्तानी एक्टर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट्स भी अनब्लॉक

मंगलवार (2 जुलाई) को बॉलीवुड फिल्म सनम तेरी कसम में नजर आ चुकीं पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा होकैन का इंस्टाग्राम अब भारत में एक्टिव दिख रहा है। उनके अलावा, युमना जैदी, दानानीर मोबीन, अहद रजा मीर, अजान सामी खान, अमीर गिलानी और दानिश तैमूर जैसे पाकिस्तानी फिल्म और टीवी कलाकारों के इंस्टाग्राम अकाउंट्स अनब्लॉक हो गए हैं।

पाकिस्तान के इन टॉप सेलेब्स के अकाउंट भी भी रिस्ट्रिक्ट

दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म सरदार जी 3 में नजर आईं एक्ट्रेस हानिया आमिर का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में रिस्ट्रिक्ट है। अकाउंट खोलने पर लिखा मिलेगा, अकाउंट भारत में मौजूद नहीं है। इन कंटेंट को लीगल रिक्वेस्ट के चलते रिस्ट्रिक्ट किया जा रहा है। हानिया के अलावा फवाद खान, माहिरा खान, अली जफर और आतिफ असलम के अकाउंट भी उपलब्ध नहीं हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को टूरिस्टों को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। पीड़ितों को क्षेत्र की एक फेमस बैसरन घाटी में गोली मार दी गई थी। यह हमला 2019 के पुलवामा हमले के बाद से क्षेत्र में सबसे घातक हमलों में से एक था।

2023 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पाक कलाकारों से बैन हटाया था

साल 2016 में हुए उरी अटैक के बाद सभी पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने पर बैन लगा दिया गया था। यही वजह रही कि माहिरा खान, फवाद खान जैसे कलाकारों को भारत की कई फिल्में छोड़नी पड़ी थीं। साल 2023 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन लगाए जाने की याचिका खारिज करते हुए कहा कि कलाकारों को पॉलिटिकल टेंशन के चलते सजा नहीं दी जा सकती।

क्या था ऑपरेशन सिंदूर और कब लगे थे बैन?

अप्रैल 2025 में जब भारत ने पीओके में आतंकी लॉन्च पैड्स पर एयरस्ट्राइक और सर्जिकल ऑपरेशन किए थे, तब पाकिस्तानी साइबर सेल्स की गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई। इस दौरान भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी प्रोपेगैंडा और फेक न्यूज को रोकने के लिए 174 से अधिक पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल्स, 94 इंस्टाग्राम अकाउंट्स, 42 फेसबुक पेज और कई ट्विटर अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया था। इनमें सेलेब्स के अकाउंट्स भी शामिल थे जिन पर भारत विरोधी टिप्पणियों और पाकिस्तान समर्थित बयानों के चलते बैन लगाया गया।

किन सेलेब्स के अकाउंट्स भारत में फिर से दिख रहे हैं?

पिछले कुछ दिनों से भारतीय यूजर्स ने देखा कि कई पाकिस्तानी सेलेब्स के अकाउंट्स भारत में बिना VPN के खुल रहे हैं। इनमें शामिल हैं:

शोएब अख्तर (पूर्व पाक क्रिकेटर): यूट्यूब पर एक्टिव, भारतीय क्रिकेट पर लगातार रील्स डाल रहे हैं।

मावरा होकैन (एक्ट्रेस): इंस्टाग्राम पर नई वेकेशन फोटोज और रील्स पोस्ट कर रही हैं।

माहिरा खान: नए ब्रांड शूट शेयर कर रही हैं।

अली जफर: म्यूजिक वीडियो प्रमोट कर रहे हैं।

हुमायूं सईद: पाकिस्तानी ड्रामा के प्रमोशन कर रहे हैं।

आतिफ असलम: लाइव शो की क्लिप्स और नई नातें पोस्ट कर रहे हैं।

भारतीय यूजर्स इनके कंटेंट को देख, लाइक और शेयर भी कर पा रहे हैं।

कैसे फिर एक्टिव हुए अकाउंट्स?

सूत्रों की मानें तो यह संभव है कि:

1 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने बैन हटाने की प्रक्रिया शुरू की हो या कोई तकनीकी गलती हुई हो।

2 कुछ अकाउंट्स ने भारत में ब्लॉक हटवाने के लिए प्लेटफॉर्म्स से संपर्क किया हो।

3 VPN या प्रॉक्सी बदलकर अकाउंट मैनेजमेंट की सेटिंग्स एडजस्ट की गई हों, जिससे भारतीय IP से कंटेंट दिखने लगा हो।

4 भारत सरकार की ओर से फिलहाल कोई ताज़ा बैन नोटिस इन प्लेटफॉर्म्स को नहीं भेजा गया, इसलिए ऑटोमेटिक कंटेंट अनब्लॉक हो गया।

नौताडा में निकाला अलम का जुलूस

सुल्तानपुर, (रॉयल पत्रिका) नगर पालिका सुल्तानपुर के नौताडा गाँव में अंजुमन इस्लामिया कमेटी नौताडा द्वारा ढोल ताशों और अखाड़े के करतबों के साथ अलम का जुलूस निकाला। जुलूस तकिया चौक से शुरू हुआ और अंजुमन कमेटी सदर शेख़ इस्लामुद्दीन द्वारा सुल्तानपुर थाना सीआई सत्यनारायण मालव व अखाड़े के उस्ताज़ शफीक शाह, दिलशेर पठान,पप्पू उस्ताज़ व हुसैनी कमेटी सदर सद्दाम हुसैन का साफा व माला पहनाकर जुलूस शुरू किया। जुलूस परंपरागत

मार्ग से होते हुए कर्बला चौक पहुंचा और फिर वापस तकिया चौक पहुंचा। अंजुमन कमेटी द्वारा सभी अखाड़े के उस्ताजो का इस्तक़बाल किया। इस अवसर पर सभी ग्रामवासी मौजूद रहे।

चूरू रेलवे कब्रिस्तान में हाल निर्माण के लिए विधायक कोटे से सात लाख रुप्पये स्वीकृत

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रेलवे कब्रिस्तान में पिछले काफी दिनों से हाल की आवश्यकता के लिए रेलवे कब्रिस्तान के सदर बाबू इस्माइल खान पूर्व पार्षद ने पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं विधायक हरलाल सहारण से निवेदन किया। तो तत्काल राजेंद्र सिंह राठौर के आग्रह पर चूरू विधायक हरलाल लाल सहारण ने अपने विधायक कोटे से 7 लाख की स्वीकृति जिला कलेक्टर को भेज दी। इस नेक कार्य के लिए पूर्व पार्षद बाबू इस्माइल खान ने एवं रेलवे

कब्रिस्तान कमेटी ने राजेंद्र सिंह राठौर व चूरू विधायक हरलाल सहारण का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

पोस्ट ऑफिस RD से आसानी से तैयार होगा बड़ा फंड

-6.7% सालाना ब्याज पर जानें इससे जुड़ी खास बातें

सरकार ने जुलाई-सितंबर (Q2FY26) के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी आपको पहले जितना ही ब्याज मिलता रहेगा। ऐसे में अगर आप रिकरिंग डिपॉजिट (RD) कराने का प्लान बना रहे हैं तो पोस्ट ऑफिस RD आपके लिए सही रह सकती है। इस पर फिलहाल 6.70% सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें 5 साल तक हर महीने 2 हजार रुपए जमा करने पर 1 लाख 43 हजार रुपए का एकमुश्त फंड तैयार कर सकते हैं। यहां हम आपको पोस्ट ऑफिस RD के बारे में बता रहे हैं...

सबसे पहले समझें RD क्या है?

पोस्टप ऑफिस की रिकरिंग डिपॉजिट या RD बड़ी बचत में आपकी मदद कर सकती है। आप इसमें हर महीने सैलरी आने पर एक निश्चित रकम डालते रहें और 5 साल बाद मैच्योर होने पर आपके हाथ में बड़ी रकम होगी। घर के गुल्लक में पैसे जमा करने पर भले ही आपको ब्याज नहीं मिले, पर यहां पैसे जमा करने पर आपको ब्याज भी मोटी मिलती है।

5 साल तक हर महीने 1 हजार निवेश पर बनेगा 71 हजार का फंड

इंडिया पोस्ट की RD में अगर आप 1 हजार रुपए प्रति महीने की रकम इन्वेस्ट करते हैं, तो 6.7% सालाना ब्याज दर के हिसाब से 5 साल बाद मैच्योर होने पर यह लगभग 71 हजार रुपए हो जाएंगे।

RD में जमा पैसे पर ले सकते हैं लोन

RD पर लोन सुविधा भी मिलती है। यानी बीच में पैसों की जरूरत पड़ने पर आप बिना RD तुड़वाए इस पर लोन भी ले सकते है। इसमें पर्सनल लोन की तुलना में कम ब्याज पर लोन मिलता है। पोस्ट ऑफिस की पांच साल वाली RD में अगर आप लगातार 12 किस्त जमा कर लेते हैं तो आप लोन की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। यानी ये सुविधा लेने के लिए आपको कम से कम एक साल लगातार रकम डिपॉजिट करनी होगी। एक साल बाद आप अपने अकाउंट में जमा राशि का 50% तक लोन ले सकते हैं। अगर आप RD पर लोन लेते हैं तो आपको लोन की रकम पर ब्याएज 2% + RD खाते पर लागू ब्याज दर के रूप में लागू होगा। जैसे अभी RD पर 6.7% ब्याज मिल रहा है, ऐसे में अगर आप अभी RD पर ब्याज लेते है तो आपको 8.7% सालाना की ब्याज दर पर लोन मिलेगा।

RD के फायदे

सुरक्षित निवेश:

पोस्ट ऑफिस RD भारत सरकार द्वारा समर्थित है, तो पैसा डूबने का कोई डर नहीं। ये उन लोगों के लिए बढ़िया है, जो जोखिम नहीं लेना चाहते।

नियमित बचत की आदत:

हर महीने थोड़ा-थोड़ा (मिनिमम 100 रुपए से शुरू) जमा करना होता है, जिससे बचत की आदत पड़ती है।

अच्छा ब्याज:

अभी 6.7% सालाना ब्याज मिलता है, जो कंपाउंडिंग के साथ बढ़ता है। बैंक के सेविंग अकाउंट से कहीं बेहतर रिटर्न है।

लचीला निवेश:

आप 100 रुपए से शुरू कर सकते हैं, और ऊपर की कोई लिमिट नहीं। अपनी जेब के हिसाब से राशि चुन सकते हैं।

लोन की सुविधा:

अगर इमरजेंसी में पैसों की जरूरत पड़े, तो RD के खिलाफ लोन ले सकते हैं। ये तब काम आता है, जब आप स्कीम तोड़ना नहीं चाहते।

हज वापसी पर कीया स्वागत

-मक्का और मदीना की यात्रा कर लौटे आरिफ खान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान कायमखानी महासभा और समाज के गणमान्य लोगों ने आरिफ खान दौलतखानी मोहल्ला ईदगाह को शॉल ओढ़ाकर ओर मालाएं पहना कर उनका स्वागत किया। आप हज यात्रा मुकम्मल करके चुरू लौटने पर ओर उनकी हज की कबूलियत के लिए सभी ने अल्लाह से दुआ की जिसमें चुरू जिला इकाई राजस्थान कायमखानी महासभा के जिला अध्यक्ष मुंशी खान, तहसील अध्यक्ष रमजान खान जोइया, सलेमुदीन खान रुकनखानी, चुरू कायमखानी छात्रावास कमेटी अध्यक्ष जब्बार खान अलफखानी, ज़ाकिर खान केके, इरफान खान अलविंग ट्रेवल्स एवं मौलाना अनीस रजा

आदि गणमान्य लोगों ने उनके मुबारिक हज मुकद्दस की जियारत मुकम्मल कर लौट आने की खुशी में उनका इस्तकबाल किया हाजी आरिफ खान ने सभी को आबे जम-जम एवं खजूर देकर मेहमान नवाजी की और हज यात्रा के अरकान व वहां की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। देश में अमन चैन भाईचारे के लिए मौलाना अनीस रज्जा ने दुआए की ।

वॉर 2 की कहानी यूएसए थियेटर लिस्टिंग से लीक हुई

ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी, जूनियर एनटीआर की एक्शन-ड्रामा 'कैट बनाम रॉटवीलर' मुकाबला

जब से वॉर 2 का फर्स्ट लुक टीज़र रिलीज़ हुआ है, तब से इस एक्शन ड्रामा का इंतज़ार हर बीतते दिन के साथ प्रशंसकों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी को एक साथ एक फिल्म में देखना सभी प्रशंसकों के लिए किसी खुशी की सवारी से कम नहीं होने वाला है।

खैर, अगर आप भी सोच रहे हैं कि इस बार कहानी क्या होने वाली है? तो हमारे पास इसका जवाब है। हमने यूएसए थिएटर लिस्टिंग में अयान मुखर्जी निर्देशित फिल्म का सारांश ढूंढ निकाला।

युद्ध 2 सारांश

Gulte.com के डेटा के अनुसार, यूएस थिएटर लिस्टिंग से वॉर 2 का सारांश सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उसके अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि सालों पहले वॉर में , एजेंट कबीर (ऋतिक रोशन) 'दुष्ट' हो गया था और आगे चलकर भारत का सबसे बड़ा खलनायक बन गया। लेकिन अब वॉर 2 में , ऐसा कहा जाता है कि वह और भी गहरे अंधेरे में चला जाएगा।

उसे पकड़ने के लिए, भारत अपने सबसे खतरनाक और जानलेवा एजेंट को भेजेगा। "एक स्पेशल यूनिट ऑफिसर जो कबीर से भी ज़्यादा ताकतवर है... बिल्कुल न्यूक्लियर! एजेंट विक्रम (जूनियर एनटीआर)।" आरआरआर स्टार के लिए सिनॉप्सिस में जो विवरण दिया गया है, उससे हम केवल कल्पना कर सकते हैं कि उनका किरदार कितना घातक होने वाला है।

सारांश में आगे लिखा गया है, "एक क्रूर बिल्ली बनाम रॉटवीलर खेल शुरू होता है जब दोनों आमने-सामने होते हैं। पूरी दुनिया उनका क्रूर, खूनी युद्धक्षेत्र है। उनके सामने आने वाले विकल्प असंभव हैं। इसके लिए चुकाई जाने वाली कीमत बहुत बड़ी है। यह एक युद्ध है जिसमें शानदार एक्शन और दिल दहला देने वाली भावनाएँ हैं।"

युद्ध 2 की अनोखी प्रचार रणनीति

यशराज फिल्म्स ने हमेशा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों को प्रमोट करते समय दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ाने के लिए अनोखी रणनीति अपनाई है। हमें पता चला है कि चूंकि वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नज़र आएंगे, इसलिए वाईआरएफ प्रमोशन के दौरान उन्हें एक-दूसरे से दूर रखेगा ताकि दर्शकों को एक-दूसरे से बेरहमी से लड़ने का अनुभव ज़्यादा से ज़्यादा मिल सके।

एक वरिष्ठ व्यापार सूत्र ने बताया, "ऋतिक और जूनियर एनटीआर अलग-अलग वॉर 2 का प्रचार करेंगे और सभी योजनाएँ इस बात को ध्यान में रखते हुए बनाई गई हैं कि वे कभी भी एक साथ मंच साझा नहीं करेंगे, रिलीज़ से पहले किसी भी प्रचार वीडियो में एक साथ नहीं होंगे और कभी एक-दूसरे के साथ नहीं दिखेंगे। ऋतिक और जूनियर एनटीआर का एक साथ आना भारतीय सिनेमा में एक बार होने वाला सिनेमाई क्षण है और बड़े पर्दे पर खूनी नरसंहार होगा। वाईआरएफ स्पष्ट है कि दर्शकों को पहले इस प्रतिद्वंद्विता का अनुभव करना चाहिए, इससे पहले कि वे दोनों को सौहार्दपूर्ण तरीके से प्रचार करते देखें। वे संघर्ष को संरक्षित करके लोगों को सर्वश्रेष्ठ फिल्म देखने का अनुभव प्रदान करना चाहते हैं जो कि फिल्म का अनूठा विक्रय बिंदु है।"

दीपिका पादुकोण हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम स्टार से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय बनेंगी

यह भारत के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि दीपिका पादुकोण को आने वाले वर्ष में प्रतिष्ठित हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम स्टार के प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया है। बिलबोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को ओवेशन हॉलीवुड से लाइव प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिकॉर्डिंग, मोशन पिक्चर्स, टेलीविज़न, लाइव थिएटर/लाइव परफॉरमेंस और स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट की दुनिया की अन्य प्रसिद्ध हस्तियों के साथ दीपिका के नाम की घोषणा की गई। माइली साइरस, टिमोथी चालमेट, हॉलीवुड अभिनेत्री एमिली ब्लंट, फ्रांसीसी अभिनेत्री कोटिलार्ड, कनाडाई अभिनेत्री रेचल मैकएडम्स, इतालवी अभिनेता फ्रेंको नीरो और सेलिब्रिटी शेफ गॉर्डन रामसे को भी हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम स्टार से सम्मानित किया जाएगा।

दीपिका पादुकोण की वैश्विक अपील

उल्लेखनीय रूप से, 2017 में दीपिका ने हॉलीवुड में अपनी शुरुआत की xXx: रिटर्न ऑफ़ ज़ेंडर केज । उन्हें टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची और वैरायटी की अंतर्राष्ट्रीय महिला प्रभाव रिपोर्ट में भी शामिल किया गया है। उन्होंने पिछले वर्षों में कान फिल्म महोत्सव और मेट गाला में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। वह लुई वुइटन और कार्टियर के लिए वैश्विक लक्जरी फैशन हाउस द्वारा हस्ताक्षरित पहली भारतीय बनीं, उन्होंने वैश्विक स्तर पर देश के बढ़ते प्रभाव के लिए मंच तैयार किया और बाद के वर्षों में अन्य भारतीय सेलिब्रिटी चेहरों के लिए इस लहर में शामिल होने का मार्ग प्रशस्त किया।

सम्मानित व्यक्तियों का चयन

हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स के वॉक ऑफ फेम चयन पैनल ने 20 जून को एक बैठक में "सैकड़ों" नामांकनों में से इन सम्मानित लोगों का चयन किया। 25 जून को चैंबर के निदेशक मंडल ने चयनों की पुष्टि की। वार्नर ब्रदर्स टेलीविजन के पूर्व सीईओ और वॉक ऑफ फेम चयन समिति के अध्यक्ष पीटर रोथ ने एक बयान में कहा, "हम 35 प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नवीनतम चयन की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, जिन्हें 2026 की प्रतिष्ठित कक्षा के हिस्से के रूप में वॉक ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा।" "इन प्रतिभाशाली व्यक्तियों ने मनोरंजन की दुनिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और हम उन्हें इस अच्छी तरह से योग्य मान्यता से सम्मानित करने के लिए रोमांचित हैं।"

दीपिका पादुकोण का वर्क फ्रंट

सिंघम अगेन और कल्कि 2898 ई. में आखिरी बार नज़र आईं दीपिका के पास कई बेहतरीन फ़िल्में हैं। उन्हें अल्लू अर्जुन की अगली फ़िल्म एटली और शाहरुख़ खान की किंग में काम करने के लिए चुना गया है । दोनों ही फ़िल्में बड़े बजट की प्रत्याशित फ़िल्में हैं। इसके अलावा दीपिका अमिताभ बच्चन के साथ द इंटर्न का हिंदी रीमेक बनाने की भी योजना बना रही हैं।

उनके पास कई अन्य प्रोजेक्ट भी हैं जिनकी घोषणा अभी होनी बाकी है। भारतीय फिल्म उद्योग को हिला देने वाले एक शक्तिशाली कदम में, दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट छोड़ दी है और अल्लू अर्जुन के साथ एटली की 700 करोड़ रुपये की एक्शन फिल्म में अभिनय करने के लिए साइन किया है । अस्थायी रूप से AA22xA6 नाम से प्रदर्शित इस अखिल भारतीय फिल्म के साथ दीपिका, कल्कि 2898 ई. की सफलता के बाद तेलुगू फिल्म जगत में वापसी कर रही हैं और इसमें उन्हें उनकी स्टार हैसियत के अनुरूप भूमिका मिलेगी।

जवान के बाद दूसरा सहयोग

यह दीपिका की एटली के साथ दूसरी फिल्म है , इससे पहले उनकी पहली फिल्म जवान थी, जिसने 2023 में वैश्विक रिलीज में बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी।

दीपिका पादुकोण ने भावना से अधिक पैमाना और स्टारडम को चुना

जानकार सूत्रों ने बताया कि दीपिका , प्रभास के साथ संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट के लिए बातचीत कर रही थीं , लेकिन बाद में उन्होंने एटली की साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म के लिए बातचीत छोड़ दी - जहां उन्हें स्केल, विजन और स्टार पावर मिल गया है ।

वर्षों की मेहनत से बनी एक विस्फोटक जोड़ी

अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण दोनों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे वर्षों से एक-दूसरे की कितनी प्रशंसा करते हैं - यह पहली बार होगा जब ये दोनों सितारे स्क्रीन साझा करेंगे - इतना बड़ा क्षण। सन पिक्चर्स द्वारा वैश्विक स्तर पर निर्मित एटली की इस फिल्म में अल्लू अर्जुन दोहरी भूमिका में होंगे और दीपिका गंभीर एक्शन अवतार में होंगी । खबर है कि वह इतनी फीस ले रही हैं कि जवान के बाद बॉक्स ऑफिस पर उनकी स्थिति के कारण सारे रिकॉर्ड टूट जाएंगे ।

तीन नायिकाएं, दोहरी भूमिकाएं और एक समानांतर ब्रह्मांड

मृणाल ठाकुर और जान्हवी कपूर दीपिका और तीन शानदार महिलाओं के लिए भूमिकाएँ निभाएँगी। कहानी एक मल्टी-स्टारर , हाई-ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर है जो एक समानांतर ब्रह्मांड में सेट है , इसलिए यह सीमा-धक्का देने वाली होगी। लॉस एंजिल्स स्थित उच्चस्तरीय विशेष प्रभाव टीमों के साथ आश्चर्यजनक दृश्य हमारे सामने आ रहे हैं और मुख्य फोटोग्राफी जुलाई या अगस्त 2025 में शुरू होगी ।

दीपिका की मातृत्व के बाद जानबूझकर वापसी

फिलहाल सितंबर 2024 से मातृत्व अवकाश पर हैं , दीपिका की योजनाबद्ध वापसी में बैक-टू-बैक टेंटपोल शामिल हैं । दीपिका फिलहाल शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं जो सुजॉय घोष की एक एक्शन थ्रिलर है , इसके बाद वह एटली की फिल्म में काम करेंगी । एक सूत्र ने बताया, "दीपिका उच्च दृश्यता वाली परियोजनाएं चुन रही हैं, जिससे कई बाजारों में उनका ब्रांड स्थापित होगा।"

मेट्रो के साथ पुणे में आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान का उत्साह...इन दिनों प्रमोशन

पुणे में आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान का प्रमोशन धमाल, अनुराग बसु की फिल्म के गाने पहले ही हिट

पुणे ग्लैमर और उत्साह का केंद्र बन गया, क्योंकि बॉलीवुड सितारे आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म मेट्रो के प्रचार के लिए शहर में पहुंचे। प्रशंसित फिल्म निर्माता अनुराग बसु द्वारा निर्देशित , इस फिल्म ने पहले ही अपने भावपूर्ण साउंडट्रैक और कलाकारों की टुकड़ी के साथ चर्चा पैदा कर दी है।

आदित्य और सारा का इलेक्ट्रिक पुणे दौरा

प्रचार यात्रा की शुरुआत एक स्थानीय कॉलेज में एक भावपूर्ण बातचीत से हुई, जहाँ आदित्य और सारा का जोरदार जयकारों और उत्सुक चेहरों के साथ स्वागत किया गया। अभिनेताओं ने मेट्रो... इन दिनों की शूटिंग के अपने अनुभवों के बारे में खुलकर बात की, अनुराग बसु और अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, फातिमा सना शेख, अली फजल और नीना गुप्ता जैसे सह-कलाकारों के साथ काम करने के किस्से साझा किए। इस कार्यक्रम में फिल्म के प्रासंगिक विषयों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें आधुनिक रिश्तों और शहरी जीवन की जटिलताओं को छुआ गया। कॉलेज से, सितारे पुणे के एक लोकप्रिय मॉल में गए, जहाँ माहौल बिजली की तरह चमक उठा। प्रशंसकों ने कार्यक्रम स्थल पर भीड़ लगा दी, अभिनेताओं के नाम का नारा लगाया और सेल्फी लेने के लिए हाथापाई की, जबकि सुरक्षाकर्मियों को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। आदित्य और सारा दोनों ने प्रशंसकों का अभिवादन करने, हाथ हिलाने और तस्वीरें खिंचवाने के लिए समय निकाला, जिससे फिल्म की रिलीज के लिए उत्साह और बढ़ गया।

मेट्रो...इन दिनों: शहरी प्रेम पर एक आधुनिक दृष्टिकोण

मेट्रो...इन दिनों को गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है। यह फिल्म बसु की प्रशंसित 2007 की हिट फिल्म लाइफ इन ए... मेट्रो का आध्यात्मिक उत्तराधिकारी है, लेकिन इसमें नई कहानियों की खोज की गई है। यह समकालीन शहरी भारत में प्यार, दिल टूटने और उम्मीद की आपस में जुड़ी कहानियों के माध्यम से एक भावनात्मक सवारी का वादा करता है। फिल्म का संगीत प्रीतम ने तैयार किया है, जो लाइफ इन ए... मेट्रो और बर्फी! में अपने प्रतिष्ठित सहयोग के बाद बसु के साथ फिर से जुड़ते हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए अनुराग बसु ने एक बयान में कहा, "मेट्रो...इन दिनों एक ऐसे शहर के लोगों और उनकी अनोखी कहानियों की कहानी है जो कभी नहीं सोता। यह प्यार के विभिन्न रंगों और जटिलताओं को दर्शाता है।"

पुणे इन दिनों बॉलीवुड के ग्लैमर और उत्साह से भर गया है, क्योंकि आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो...इन दिनों के प्रमोशन के लिए शहर में पहुंचे। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर अनुराग बसु ने किया है और इसके ट्रेलर व गानों ने पहले ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है।

कॉलेज में हुआ गर्मजोशी से स्वागत

फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत पुणे के एक नामी कॉलेज से हुई, जहां स्टूडेंट्स ने जोरदार तालियों और चीयर्स के साथ आदित्य और सारा का स्वागत किया। दोनों कलाकारों ने कॉलेज के युवाओं से बातचीत करते हुए फिल्म के अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि किस तरह अनुराग बसु जैसे क्रिएटिव डायरेक्टर के साथ काम करना उनके लिए सीखने का मौका रहा। साथ ही उन्होंने अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, फातिमा सना शेख, अली फजल और नीना गुप्ता जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ शूटिंग के दिलचस्प किस्से भी साझा किए। बातचीत में आधुनिक रिश्तों की उलझनों और शहरी जीवन के तनाव के बीच प्यार की तलाश जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जो फिल्म की थीम से जुड़ी है।

मॉल में फैंस का उत्साह चरम पर

कॉलेज प्रमोशन के बाद टीम पुणे के एक बड़े मॉल में पहुंची। यहां माहौल पूरी तरह से उत्साह और ग्लैमर से भर गया। जैसे ही आदित्य और सारा मंच पर आए, फैंस ने उनके नाम के नारे लगाने शुरू कर दिए। चारों ओर से लोग सेल्फी और ऑटोग्राफ के लिए आगे आने लगे, जिसे मैनेज करने में सुरक्षा टीम को भी मेहनत करनी पड़ी। आदित्य और सारा ने भी अपने फैंस को निराश नहीं किया, उन्होंने हाथ हिलाकर, फोटो खिंचवाकर और कुछ फैंस से बातें कर उनके उत्साह को दोगुना कर दिया। इससे फिल्म की रिलीज को लेकर लोगों की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई।

मेट्रो...इन दिनों: शहरी प्रेम की नई कहानियां

मेट्रो...इन दिनों गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा अनुराग बसु प्रोडक्शंस के साथ मिलकर बनाई गई है। यह अनुराग बसु की 2007 में आई लाइफ इन ए... मेट्रो की थीम से प्रेरित है, लेकिन इसमें आज के शहरी भारत की नई कहानियां दिखाई जाएंगी। फिल्म में अलग-अलग लोगों की कहानियों के जरिए शहरी जीवन में प्यार, दिल टूटने और नई उम्मीदों को दिखाया जाएगा। फिल्म का संगीत प्रीतम ने दिया है, जिन्होंने पहले लाइफ इन ए... मेट्रो और बर्फी! में अनुराग बसु के साथ हिट म्यूजिक दिया था। फिल्म के गाने पहले ही सोशल मीडिया पर छा चुके हैं, जिससे इसके प्रति दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

दिलजीत दोसांझ की बॉर्डर 2 BTS क्लिप ने उनके बाहर जाने की सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया

हानिया आमिर- सरदार जी 3 विवाद के बीच कई रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं , जिसमें बताया गया है कि दिलजीत दोसांझ को बॉर्डर 2 से हटा दिया गया है । 22 जून को फिल्म सरदार जी 3 का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही दिलजीत दोसांझ विवादों में घिर गए हैं और इसमें पाकिस्तानी एक्टर हानिया आमिर का नाम सामने आया है। कुछ मिनट पहले, दिलजीत दोसांझ ने बॉर्डर 2 के सेट से एक बीटीएस वीडियो शेयर करके इंटरनेट पर तहलका मचा दिया । इस वीडियो के साथ ही फिल्म से उन्हें हटाए जाने की सभी अफवाहों पर विराम लग गया। इस फिल्म में पंजाबी गायक-अभिनेता के साथ सनी देओल, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी मुख्य भूमिका में हैं। शेयर की गई क्लिप में वह पूरी तरह से सूट पहने हुए दिखाई दे रहे हैं और बैकग्राउंड में एक बड़ी टोली नाच रही है। बॉर्डर का टाइटल ट्रैक ' के घर कब आओगे' भी बजता हुआ सुना जा सकता है। दिलजीत दोसांझ को सोशल मीडिया पर लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद अपनी फिल्म सरदार जी 3 की रिलीज को विदेश में नहीं रोका ।

कुछ दिन पहले, FWICE ने सनी देओल को एक पत्र लिखा था क्योंकि वह बॉर्डर 2 का हिस्सा हैं । पत्र में कहा गया है, "इस सहयोग से अलग होने का आपका निर्णय एक सच्चे देशभक्त के रूप में आपकी स्थायी छवि की पुष्टि करेगा और एक मजबूत संदेश देगा कि राष्ट्रीय हित हमेशा व्यक्तिगत हितों से ऊपर होगा।" जेपी दत्ता की 1997 की युद्ध ड्रामा बॉर्डर की अगली कड़ी बॉर्डर 2 की शूटिंग एक हफ़्ते पहले पुणे में शुरू हुई थी। उनके प्रतिस्थापन के बारे में खबर सच नहीं है। उनकी कास्टिंग 9 महीने पहले ही हो गई थी। और हमने पहले ही 50% शूटिंग पूरी कर ली है, "सूत्र ने कहा।

दिलजीत दोसांझ ने बॉर्डर 2 से बाहर होने की सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया, क्योंकि उन्होंने फिल्म के सेट से अपने इंस्टाग्राम पर एक बीटीएस वीडियो साझा किया।

सरदार जी 3 को लेकर विवादों में हैं , जो भारत में रिलीज नहीं होगी। हाल ही में भारत-पाक तनाव बढ़ने से पहले शूट की गई इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हनिया आमिर ने काम किया है और इस पर काफी आलोचना हुई है। इस स्थिति ने न केवल फिल्म की भारत में रिलीज को प्रभावित किया है, बल्कि दोसांझ की भविष्य की परियोजनाओं में भागीदारी को लेकर भी अटकलें लगाई हैं।

हाल ही में आई खबरों में बताया गया था कि देशभक्ति पर आधारित युद्ध ड्रामा बॉर्डर 2 में भारतीय सेना के अधिकारी की भूमिका निभा रहे दोसांझ को सरदार जी 3 को लेकर चल रहे विवाद के कारण फिल्म से हटा दिया गया है । हालांकि, प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने इन अफवाहों का खंडन किया है और स्पष्ट किया है कि अभिनेता अभी भी इस प्रोजेक्ट में सक्रिय रूप से शामिल हैं। सूत्र ने पुष्टि की, "उनके प्रतिस्थापन के बारे में खबर सच नहीं है।

दिलजीत बॉर्डर 2 का हिस्सा हैं और हमने उनके साथ फिल्म का 50 प्रतिशत हिस्सा पहले ही शूट कर लिया है। उनकी कास्टिंग के बारे में घोषणा लगभग 9 महीने पहले की गई थी।" ये अफ़वाहें तब और तेज़ हो गईं जब FWICE ने आने वाली फ़िल्मों में दिलजीत दोसांझ के साथ काम करने वाले निर्माताओं पर सख़्त कार्रवाई की मांग की। युद्ध ड्रामा के बारे में उन्होंने निर्माता भूषण कुमार और टी-सीरीज़ को एक पत्र भेजा, जिसमें लिखा था, "फेडरेशन ऑफ़ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE), जो भारतीय फ़िल्म और टेलीविज़न उद्योग के मुख्य कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है, आपकी आने वाली फ़िल्म बॉर्डर 2 में अभिनेता-गायक श्री दिलजीत दोसांझ की कास्टिंग से बहुत निराश और चिंतित है... कास्टिंग का यह फ़ैसला श्री दिलजीत दोसांझ के बहिष्कार के FWICE के आधिकारिक निर्देश का उल्लंघन है, जो सरदार जी 3 में एक पाकिस्तानी अभिनेत्री सुश्री हनिया आमिर के साथ काम करने के उनके देशद्रोही कृत्य के बाद जारी किया गया था।"

इस बीच, बॉर्डर 2 की बात करें तो यह अभी प्रोडक्शन में है, जिसकी शूटिंग पुणे में चल रही है। अभिनेता वरुण धवन चल रहे शेड्यूल के तहत राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में प्रमुख दृश्यों की शूटिंग कर रहे हैं।

युद्ध पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है और इसका निर्माण निधि दत्ता ने टी-सीरीज के सहयोग से किया है। फिल्म में सनी देओल, अहान शेट्टी और कई अन्य प्रमुख कलाकार भी हैं। सरदार जी 3 को लेकर हो रही आलोचनाओं के बावजूद , जिसे अब भारत में रिलीज़ नहीं किया जाएगा, बॉर्डर 2 के पीछे की प्रोडक्शन टीम दोसांझ की भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध है। यह फ़िल्म फिलहाल अगले साल 23 जनवरी को सिनेमाघरों में आने वाली है।

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की प्रियदर्शन के साथ फिल्म को आखिरकार दिलचस्प नाम मिला हैवान

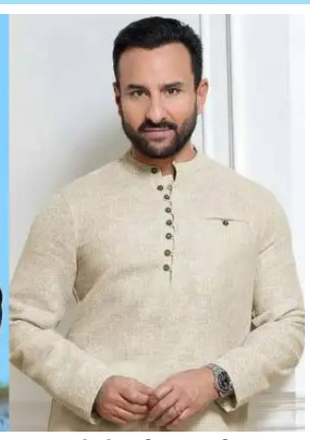

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की थ्रिलर फिल्म अभी फ्लोर पर नहीं आई है, लेकिन इसने प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। इस बात से भी उत्सुकता बढ़ गई है कि इस जोड़ी को मशहूर फिल्ममेकर प्रियदर्शन डायरेक्ट करेंगे। और अब, हमें उनके सहयोग का शीर्षक पता चल गया है।

एचटी सिटी ने विशेष रूप से पुष्टि की है कि फिल्म का नाम हैवान रखा गया है , जिसका अंग्रेजी में मतलब 'जानवर' होता है। एक सूत्र ने हमें बताया, "टीम को लगा कि यह उनके विषय का सबसे अच्छा वर्णन करता है, और बिल्कुल वैसा ही दर्शाता है जैसा प्रियदर्शन इसे देखते हैं- एक रोमांचक थ्रिलर के रूप में। अन्य शीर्षक भी विवाद में थे, लेकिन मुख्य अभिनेताओं द्वारा निभाए गए किरदारों को देखते हुए यह सर्वसम्मति से पसंद किया गया।"

सैफ और अक्षय आखिरी बार 2008 की फिल्म टशन में साथ काम करने के बाद फिर साथ काम करेंगे । उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग अगले महीने अगस्त में शुरू होगी और अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अक्षय ने हाल ही में प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित फिल्म भूत बंगला की शूटिंग पूरी की है , जबकि सैफ अली खान फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आए थे।

हॉरर कॉमेडी शैली में एक नया चरण होगा भूत बांग्ला

भूत बांग्ला कॉमेडी-हॉरर जॉनर को नए तरीके से पेश करेगी। सत्रह साल पहले भूल भुलैया के साथ इस जॉनर को आगे बढ़ाने के लिए मशहूर प्रियदर्शन कुछ अनोखा पेश करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने खुलासा किया, "यह हॉरर-कॉमेडी स्पेस में एक नया चरण होगा।"

यह फिल्म पौराणिक कथाओं और काले जादू से प्रेरित है, जिसमें वेदों और महाभारत से तत्व लिए गए हैं। हालांकि, प्रियदर्शन ने आश्वासन दिया कि यह फिल्म मज़ेदार और आकर्षक होगी, जिसका उद्देश्य दर्शकों का मनोरंजन करना है जैसा कि वे चार दशकों से करते आ रहे हैं।

IND vs ENG दूसरा टेस्ट: शुभमन गिल की नॉटआउट सेंचुरी, यशस्वी के 87 रन

-भारत 310/5 पर मजबूत स्थिति में पहुंचा

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेला जा रहा है। बुधवार को मुकाबले के पहले दिन इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। भारत ने पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 310 रन बना लिए। कप्तान शुभमन गिल सेंचुरी और रवींद्र जडेजा 41 रन बनाकर नॉटआउट रहे। दोनों आज भारत की पारी आगे बढ़ाएंगे। दूसरे दिन का खेल दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा।

यशस्वी-करुण की फिफ्टी पार्टनरशिप

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने पहले सेशन में केएल राहुल का विकेट जल्दी गंवा दिया। वे 2 ही रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर बोल्ड हो गए। उनके बाद फिर यशस्वी जायसवाल ने करुण नायर के साथ 80 रन की पार्टनरशिप कर ली। करुण 31 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी ने 87 रन बनाए

यशस्वी जायसवाल ने जोश टंग के ओवर में लगातार 3 चौके लगाकर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने पहले टेस्ट में सेंचुरी लगाने के बाद दूसरे टेस्ट में फिफ्टी लगा दी। यशस्वी दूसरे सेशन में 87 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इस सेशन में शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने भारत का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया।

पंत और नीतीश नहीं चले

तीसरे सेशन में शुभमन गिल ने अपनी 8वीं टेस्ट फिफ्टी पूरी कर ली। हालांकि, उनके सामने ऋषभ पंत 25 और नीतीश कुमार रेड्डी 1 ही रन बनाकर आउट हो गए। नंबर-7 पर उतरे रवींद्र जडेजा ने पारी संभाली और शुभमन के साथ 99 रन की पार्टनरशिप कर ली। दोनों ने दिन का खेल खत्म होने तक भारत का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया।

इंग्लैंड से वोक्स को 2 विकेट

इंग्लैंड को पारी का पहला विकेट दिलाने वाले तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने 2 विकेट लिए। उन्होंने केएल राहुल और नीतीश रेड्डी को पवेलियन भेजा, दोनों बोल्ड हुए। बेन स्टोक्स ने यशस्वी जायसवाल को कॉट बिहाइंड कराया। वहीं शोएब बशीर ने ऋषभ पंत और ब्रायडन कार्स ने करुण नायर को पवेलियन भेजा। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट का पहला दिन भारतीय टीम के नाम रहा। टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट पर 310 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल 114 और रवींद्र जडेजा 41 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों छठे विकेट के लिए नाबाद 99 रनों की साझेदारी कर चुके हैं। ओपनर यशस्वी जायसवाल 87 रन बनाकर आउट हुए। करुण नायर ने 31 और ऋषभ पंत ने 25 रन का योगदान दिया। बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में चल रहे मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले सेशन में 98 रन पर 2 विकेट गंवाने के बाद भारतीय टीम ने टी-ब्रेक तक अच्छी वापसी की। यहां भारतीय टीम का स्कोर 182/3 रहा। लेकिन, टीम ने तीसरे सेशन की शुरुआत में लगातार दो ओवर में ऋषभ पंत और नीतीश कुमार रेड्डी के विकेट गंवा दिए। 211 रन पर 5 बैटर्स पवेलियन लौट चुके थे। ऐसे में कप्तान शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा ने छठे विकेट के लिए नाबाद 99 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स ने 2 विकेट झटके। ब्रायडन कार्स, शोएब बशीर और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इंग्लैंड: बेन स्टोक्स (कप्तान) जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान) यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने पांच विकेट के नुकसान पर 310 रन बना लिए हैं, जिसमें शुभमन गिल ने शानदार सेंचुरी लगाई और नॉटआउट लौटे। उन्होंने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 99 रनों की अहम साझेदारी निभाई। वहीं, ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 87 रनों की आकर्षक पारी खेली।

रवींद्र जडेजा ने निभाई जिम्मेदारी

रवींद्र जडेजा ने फिर से अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए अहम पारी खेली। उन्होंने 56 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और शुभमन गिल के साथ 99 रनों की साझेदारी कर भारत की पारी को संभाला। जडेजा ने डिफेंस और अटैक का सही संतुलन बनाकर खेला और जब भी मौका मिला, चौके-छक्के लगाकर स्कोर बोर्ड को आगे बढ़ाया। जडेजा का अनुभव भारतीय टीम के लिए हमेशा की तरह काम आया और उन्होंने फिर साबित किया कि क्यों वह भारतीय टेस्ट टीम के मजबूत स्तंभ हैं।

पिच और मैच की स्थिति

पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल नजर आ रही है, हालांकि जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा, स्पिनर्स को मदद मिल सकती है। इंग्लैंड को वापसी के लिए भारतीय टीम को जल्द आउट करना होगा, वहीं भारत इस स्कोर को 400 के पार ले जाने की कोशिश करेगा ताकि इंग्लैंड पर दबाव बनाया जा सके। शुभमन गिल अगर दूसरे दिन भी इसी तरह टिके रहते हैं, तो वह अपने टेस्ट करियर का बड़ा स्कोर बना सकते हैं। भारतीय गेंदबाजी लाइनअप को भी इस पिच पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

ऋषभ पंत टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर, यशस्वी जायसवाल चौथे पर पहुंचे

-बुमराह गेंदबाजों में नंबर-1 बने

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए यह सप्ताह खुशियों भरा रहा है, क्योंकि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने ताज़ा टेस्ट रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर ऊंचे स्थान हासिल किए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि युवा बल्लेबाज़ यशस्वी जायसवाल ने चौथा स्थान हासिल किया है। वहीं, गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाकर भारतीय क्रिकेट फैंस को गर्व महसूस करवाया है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए। बुधवार को जारी रैंकिंग में पंत अपने करियर की बेस्ट रेटिंग पॉइंट्स पर पहुंचे। उनके अब 801 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं। पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में 134 और 118 रन की दो शानदार पारियां खेली थीं। बैटर्स रैंकिंग में पहले स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट (889 पॉइंट्स) के साथ हैं। पंत टेस्ट इतिहास में एक ही मैच में दो शतक लगाने वाले दुनिया के दूसरे विकेटकीपर बने हैं। इससे पहले ये कारनामा ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट ने किया था।

टॉप-10 बल्लेबाजों में 2 भारतीय

बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में 3 भारतीय बल्लेबाज मौजूद हैं। ओपनर यशस्वी जायसवाल चौथे नंबर पर बरकरार हैं। वे अभी के भारत के टॉप रैंक टेस्ट बल्लेबाज हैं। उनके बाद अपने करियर की बेस्ट पोजिशन पर ऋषभ पंत हैं। कप्तान शुभमन गिल 21वें स्थान पर खिसक गए हैं।

रूट पहले ब्रूक दूसरे नंबर पर

बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड बैटर्स का दबदबा बना हुआ है। 889 पॉइंट्स के साथ जो रूट नंबर-1 पर बने हुए। भारत के के खिलाफ पहले मैच की पहली पारी में 99 रन बनाने वाले हैरी ब्रूक दूसरे स्थान पर हैं। वे रूट से सिर्फ 15 अंक पीछे रह गए हैं। वहीं लीड्स टेस्ट की दूसरी पारी में 149 रन बनाने वाले बेन डकेट 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बुमराह टॉप पर काबिज

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बॉलर्स रैंकिंग में के टॉप पोजिशन पर बने हुए हैं। उनके 907 पॉइंट्स हैं। दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया के ही जोश हेजलवुड को एक स्थान का फायदा हुआ है। वे अब चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के नोमान अली पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं।

ऑलराउंडर्स में जडेजा टॉप पर

ऑलराउंडर्स रैंकिंग में रवींद्र जडेजा अपनी नंबर-1 पोजिशन बनाए हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले वेस्टइंडीज के जेडन सील्स 9वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के प्रभाथ जयसूर्या ने 5 विकेट लिए थे। वे अब 14वें नंबर पर पहुंच गए हैं। साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर्स ने लंबी छलांग लगाई हैं। वियान मुल्डर 7 स्थान की छलांग लगाकर अब 15वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं कार्बिन बॉश ने 42 स्थान की छलांग लगाई हैं। अब वे 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ऋषभ पंत की शानदार वापसी

ऋषभ पंत ने पिछले साल एक्सीडेंट के बाद जबरदस्त वापसी की है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुए टेस्ट सीरीज़ में उन्होंने आक्रामक अंदाज़ में खेलते हुए 2 शतक लगाए। पंत ने अपनी स्वाभाविक शैली में स्पिन और तेज़ गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ होकर रन बनाए, जिससे उनकी रैंकिंग में बड़ा उछाल आया। उन्होंने अब तक 39 टेस्ट में 2600+ रन बनाए हैं और उनकी औसत 43 के आसपास है। उनकी बल्लेबाजी में दिखने वाला आत्मविश्वास और रिस्क लेकर खेलने की क्षमता टीम इंडिया को कठिन परिस्थितियों में भी मैच में बनाए रखती है। पंत की विकेटकीपिंग भी बेहतर हुई है, जो विदेशी धरती पर भारत के लिए एक बड़ा प्लस पॉइंट साबित हो रही है।

यशस्वी जायसवाल का कमाल

21 वर्षीय यशस्वी जायसवाल ने बहुत ही कम समय में टेस्ट क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ी है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाया और दूसरे टेस्ट में 87 रन बनाए। इसके अलावा, साउथ अफ्रीका दौरे पर भी उन्होंने 75 और 66 रन की पारियां खेलीं। यशस्वी ने अब तक 10 टेस्ट में 1200+ रन बना लिए हैं, जो इस बात को साबित करता है कि वे लंबे फॉर्मेट में टिक कर रन बनाने की क्षमता रखते हैं। यशस्वी का चौथे स्थान पर पहुंचना इस बात का संकेत है कि भारतीय टीम के पास भविष्य में भी एक मजबूत ओपनर मौजूद रहेगा, जो विदेशी पिचों पर भी रन बना सकता है। उनकी तकनीक, संयम और समय पर आक्रामक शॉट्स खेलना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है।

जसप्रीत बुमराह का गेंदबाजी में दबदबा

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर टॉप पर पहुंचकर अपना लोहा मनवाया है। बुमराह ने इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5-5 विकेट हॉल लिए और विपक्षी टीम को दबाव में रखा। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 6 विकेट लिए, जिससे भारत मैच जीत सका और सीरीज़ में बढ़त बना सका। बुमराह की लाइन और लेंथ पर नियंत्रण, नई और पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग कराने की क्षमता, और यॉर्कर डालने की कला उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शुमार करती है। टेस्ट करियर में वे अब तक 150+ विकेट ले चुके हैं और उनका स्ट्राइक रेट दुनिया के टॉप गेंदबाजों में शामिल है।

रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों की स्थिति इस प्रकार है:

यशस्वी जायसवाल (चौथा स्थान)
ऋषभ पंत (छठा स्थान)
जसप्रीत बुमराह (गेंदबाजों में पहला स्थान)

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 77 रन से हराया: असलंका का शतक, हसरंगा ने लिए 4 विकेट

-सीरीज में 1-0 की बढ़त

टेस्ट सीरीज 1-0 से जीतने के बाद श्रीलंका ने बांग्लादेश को पहला वनडे भी हरा दिया। बुधवार को होम टीम ने कोलंबो में 77 रन से मुकाबला जीता और 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 106 रन बनाने वाले कप्तान चरिथ असलंका प्लेयर ऑफ द मैच रहे। लेग स्पिनर वनिंदू हसरंगा ने 4 विकेट लिए।

श्रीलंका की खराब शुरुआत

आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने बैटिंग चुनी, लेकिन टीम की शुरुआत खराब रही। 29 रन पर 3 विकेट गिर गए। निशान मदुष्का ने 6 रन बनाए, वहीं पाथुम निसांका और कामिंडु मेंडिस खाता भी नहीं खोल सके। विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने फिर असलंका के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को संभाल लिया।

असलंका ने 5वां वनडे शतक लगाया

मेंडिस 45 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद जनिथ लियानागे ने 29 रन बनाए और असलंका के साथ 64 रन की साझेदारी कर ली। लोअर मिडिल ऑर्डर में मिलन रत्नायके और वनिंदू हसरंगा ने 22-22 रन बनाए। असलंका ने सेंचुरी लगाई, वे 106 रन बनाकर 9वें विकेट के रूप में आउट हुए। यह उनके वनडे करियर की 5वीं सेंचुरी रही। श्रीलंका 49.2 ओवर में 244 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश के लिए तस्कीन अहमद ने 4 और तंजिम हसन साकिब ने 3 विकेट लिए। तनवीर इस्लाम और नजमुल हुसैन शांतो को 1-1 विकेट मिला। 1 बैटर रन आउट भी हुआ।

मजबूत शुरुआत के बाद बिखरा बांग्लादेश

245 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत मजबूत रही। परवेज हसन इमोन 13 रन ही बना सके, लेकिन तंजिद हसन ने फिफ्टी लगा दी। उन्होंने शांतो के साथ टीम की सेंचुरी भी पूरी करा दी। 100 रन के स्कोर पर एक समय 1 ही विकेट गिरा था, लेकिन 105 रन तक टीम के 8 विकेट गिर गए। यानी टीम ने 7 विकेट महज 5 रन बनाने में गंवा दिए। शांतो 23 और तंजिद 62 रन बनाकर आउट हुए।

वनिंदू हसरंगा को 4 विकेट

8 विकेट गिरने के बाद बांग्लेदश को जाकर अली ने मैच जिताने की कोशिश की। हालांकि, उनके सामने तनवीर इस्लाम 5 ही रन बनाकर आउट हो गए। जाकेर ने फिफ्टी लगाई, लेकिन वे 51 रन बनाकर टीम के आखिरी विकेट के रूप में पवेलियन लौट गए। बांग्लादेश 35.5 ओवर में 167 रन ही बना सका। श्रीलंका के लिए वनिंदू हसरंगा ने 4 और कामिंडु मेंडिस ने 3 विकेट लिए। असिथा फर्नांडो और महीश तीक्षणा को 1-1 विकेट मिला। एक बैटर रन आउट भी हुआ। सीरीज का दूसरा वनडे 5 जुलाई को कोलंबो में ही खेला जाएगा।

श्रीलंका-बांग्लादेश के बीच मैच के दौरान मैदान पर आया सांप

श्रीलंका जब दूसरी पारी में बैटिंग करने उतरी उस दौरान तीसरे ओवर में एक सांप मैदान पर आ गया। अचानक हुई घटना से हर कोई हैरान था। एहतियात के तौर पर कुछ देर के लिए मैच को भी रोकना पड़ा।ऐसा पहली बार नहीं जब इस स्टेडियम में कोई सांप दिखाई दिया है। खास तौर से श्रीलंका में खेले गए मैचों में अक्सर इस तरह की घटना देखने को मिली है श्रीलंका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 77 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस जीत में कप्तान चरिथ असलंका के शानदार शतक और वनिंदू हसरंगा की घातक गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। असलंका ने धैर्यपूर्ण और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 117 रन बनाए, जबकि हसरंगा ने 4 विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने बनाए 287 रन

मैच ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में खेला गया। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और ओपनर पथुम निसांका 19 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कुसल मेंडिस और चरिथ असलंका ने पारी को संभाला। कुसल मेंडिस ने 46 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि कप्तान असलंका ने एक छोर संभाले रखा और शानदार शतक लगाया। बांग्लादेश की ओर से तस्किन अहमद और शोरफुल इस्लाम ने 2-2 विकेट लिए, जबकि शाकिब अल हसन और मेहदी हसन मिराज ने 1-1 विकेट हासिल किया। श्रीलंका ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 287 रन बनाए और बांग्लादेश को 288 रन का लक्ष्य दिया।

बांग्लादेश की पारी लड़खड़ाई, हसरंगा की फिरकी में फंसी टीम

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई। हसरंगा ने पावरप्ले में ही बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन दास (12) और तमीम इकबाल (23) को आउट कर दिया। इसके बाद शाकिब अल हसन ने 42 रन की पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। बांग्लादेश के लिए तौहिद हृदॉय ने सबसे ज्यादा 51 रन बनाए, जबकि महमुदुल्लाह ने 37 रन का योगदान दिया। लेकिन हसरंगा की कसी हुई गेंदबाजी और कसुन रजिथा की सटीक लाइन-लेंथ ने बांग्लादेश की रन गति को थामे रखा। हसरंगा ने 10 ओवर में 43 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा कसुन रजिथा और महीश थीक्षणा ने 2-2 विकेट हासिल किए। पूरी बांग्लादेशी टीम 46.2 ओवर में 210 रन पर ऑलआउट हो गई, और श्रीलंका ने यह मुकाबला 77 रन से अपने नाम कर लिया।

चरिथ असलंका की कप्तानी पारी, प्लेयर ऑफ द मैच

चरिथ असलंका को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला और श्रीलंका को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

एशिया कप 2025: 5 से 21 सितंबर के बीच संभावित आयोजन

-भारत-पाकिस्तान भिड़ंत की तैयारी, 6 टीमें लेंगी भाग

टूर्नामेंट शेड्यूल और तिथियाँ

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एशिया कप 2025 की शुरुआत 5 सितंबर से 21 सितंबर के बीच किसी दिन हो सकती है, हालांकि कई सूत्र 10 सितंबर से शुरू होने की बात कर रहे हैं । ACC (एशियन क्रिकेट काउंसिल) की बैठक जुलाई के पहले सप्ताह में प्रस्तावित है, जब टूर्नामेंट का आधिकारिक शेड्यूल जारी किया जा सकता है। एशिया कप 5 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में शुरू हो सकता है। टूर्नामेंट का फाइनल 21 सितंबर को खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज और सुपर-4 फॉर्मेट के तहत एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का पहला मुकाबला 7 सितंबर को खेला जाएगा। अगर दोनों टीमें सुपर-4 में पहुंचती हैं, तो इनकी दूसरी टक्कर 14 सितंबर को हो सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इससे पहले, एशिया कप की मेजबानी भारत के पास थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की वजह से UAE को टूर्नामेंट होस्ट करने को कहा गया है। 17 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 6 टीमें भाग लेंगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) ने अगले 3 एशिया कप साइकल के बारे में भी बताया है। 2027 में पाकिस्तान में यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। वहीं 2029 में बांग्लादेश और 2031 में श्रीलंका इसे होस्ट करेगा।

BCCI ने मंजूरी दी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को अपनी-अपनी सरकारों से टूर्नामेंट खेलने की मंजूरी लगभग मिल चुकी है। टूर्नामेंट के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर सोनी स्पोर्ट्स ने प्रमोशनल पोस्टर भी जारी कर दिया है।

जानिए एशिया कप 2025 के बारे में

टूर्नामेंट T-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और UAE टीमें हिस्सा लेंगी। अभी तक कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है, लेकिन एशियन

क्रिकेट काउंसिल (ACC) इस हफ्ते फैसला ले सकती है। ACC अगले 2-3 दिन में टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी कर सकती है। इस बार भारत को मेजबान देश बनाया गया है, लेकिन सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट को न्यूट्रल वेन्यू (UAE) पर कराने की बात चल रही है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव

अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से 6-7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध खराब हैं। ऐसे में एशिया कप में पाकिस्तान के भारत आने की संभावना खत्म हो गई है। इसलिए ACC टूर्नामेंट को UAE में कराने पर विचार कर रही है।

भारत ने 8 बार जीता एशिया कप

एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।

चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेले गए थे

इस साल फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं गई थी। भारत के सभी मैच UAE में कराए गए थे, यही नहीं एक सेमीफाइनल और फाइनल भी UAE में ही हुए थे। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हरा कर खिताब अपने नाम किया था।

मुंबई हमले के बाद से द्विपक्षीय सीरीज बंद

2008 के मुंबई हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज बंद हैं। अब दोनों टीमें अब केवल ICC और ACC टूर्नामेंट में एक-दूसरे का सामना करती हैं। ऐसे में जब भी भारत-पाकिस्तान मैच होता है तो दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजरें इस मुकाबले पर टिकी होती हैं। ऐसे में आयोजक और ब्रॉडकास्टर भारत-पाकिस्तान मैच से ज्यादा से ज्यादा कमाई करते हैं।

2008 में आखिरी बार पाकिस्तान गई थी टीम इंडिया:

टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे।

2013 में द्विपक्षीय सीरीज खेलने भारत आया था पाकिस्तान:

पाकिस्तान ने 2012-13 में भारत का आखिरी दौरा किया था। उस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की बाइलैटरल सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी। एशिया कप 2025 का आयोजन 5 से 21 सितंबर के बीच UAE में हो सकता है। भारत और पाकिस्तान का पहला मैच 7 सितंबर को और सुपर-4 में दूसरी भिड़ंत 14 सितंबर को संभावित है। भारत ने एशिया कप 8 बार जीता है। BCCI और PCB को सरकारों से मंजूरी मिल गई है। ACC जल्द आधिकारिक शेड्यूल जारी कर सकता है। टूर्नामेंट T-20 फॉर्मेट में होगा।

भारत U-19 ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया: सीरीज में 2-1 की बढ़त

-वैभव सूर्यवंशी की 31 गेंदों में 86 रन की तूफानी पारी

भारत U-19 टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 मुकाबले में जबरदस्त खेल दिखाते हुए 4 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ भारत ने 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने महज 31 गेंदों में 86 रन की तूफानी पारी खेली, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। नॉर्थम्प्टन में खेले गए तीसरे यूथ वन-डे इंटरनेशनल में भारत अंडर-19 ने इंग्लैंड-19 को 4 विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही भारतीय टीम की 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हो गई है। इस मैच में जीत के हीरो 14 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 31 गेंदों पर 86 रन बनाए। भारतीय टीम ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। बारिश की वजह से मैच 40-40 ओवर का खेला गया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 268 रन बनाए। वहीं, 269 के टारगेट का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 33 गेंदें शेष रहते जीत हासिल की।

अच्छी शुरुआत के बाद भी इंग्लैंड बड़ा स्कोर नहीं कर पाया

इंग्लैंड के ओपनर्स ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। इंग्लैंड का पहला विकेट 78 रन पर गिरा, लेकिन बीच में 4 विकेट 35 रन पर गंवाए। इंग्लैंड के लिए थॉमस रियू ने शानदार नाबाद 76 रन (44 गेंद, 9 चौके, 3 छक्के) बनाए, जबकि बेन डॉकिन्स ने 62 और इसहाक मोहम्मद ने 41 रनों की पारी खेली। वहीं, रियू और राल्फी अल्बर्ट (21) ने 60 रनों की साझेदारी कर स्कोर को 268 तक पहुंचाया।

कनिष्क चौहान ने 3 विकेट लिए

भारत की ओर से कनिष्क चौहान ने 30 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं, नमन पुष्पक, विहान मल्होत्रा और दीपेश देवेंद्रन को 1-1 विकेट मिला। भारत की तेज शुरुआत 269 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी ने तेज शुरुआत दी। उन्होंने मॉर्गन के एक ओवर में लगातार दो छक्के जड़ कर भारत का स्कोर 4.4 ओवर में 50 रन तक पहुंचाया। सूर्यवंशी ने सिर्फ 20 गेंदों में भारत अंडर-19 के इतिहास का तीसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा और 31 गेंदों में 86 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 9 छक्के जड़े। भारत ने 40 ओवर के इस मैच में इंग्लैंड के 268/6 के जवाब में 33 गेंदें शेष रहते जीत हासिल की। सूर्यवंशी के आउट होने तक भारत ने 8 ओवर में 111/2 रन बना लिए थे। इसके बाद विहान मल्होत्रा ने 34 गेंदों में 46 रन (7 चौके, 1 छक्का) बनाए, लेकिन उनकी और दो अन्य विकेट जल्दी गिरने से स्कोर 6 ओवर में 30 रन पर सिमट गया। फिर कनिष्क चौहान (43) और आरएस अंब्रीश (31) ने नाबाद 75 रनों की साझेदारी कर भारत को जीत दिलाई।

इंग्लैंड U-19 की पारी

इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी थॉम्पसन ने 42 गेंदों में 64 रन बनाए, जबकि ल्यूक विल्सन ने 28 गेंदों में 45 रन की तेज पारी खेली। इंग्लैंड ने पावरप्ले में ही 55 रन जोड़ लिए थे, जिससे टीम को तेज शुरुआत मिली। भारतीय गेंदबाजों में आदित्य देशमुख ने 4 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं, स्पिनर मोहम्मद साजिद ने 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया और रन गति को कंट्रोल में रखा।

भारत U-19 की पारी और सूर्यवंशी का तूफान

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 35 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रीज पर आए वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने आते ही आक्रमण शुरू कर दिया। उन्होंने सिर्फ 31 गेंदों में 86 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 5 लंबे छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने भारत के लिए मैच आसान कर दिया।

अंतिम ओवरों में रोमांच

16वें ओवर में सूर्यवंशी आउट हो गए, जिसके बाद मैच में हल्का रोमांच आया। भारत को आखिरी 12 गेंदों में 14 रन चाहिए थे। अक्षय सिंह (12 गेंदों में 15 रन) ने संयमित खेल दिखाते हुए 19वें ओवर की चौथी गेंद पर चौका मारकर टीम को जीत दिला दी।

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को ईंधन देने पर रोक, पेट्रोल पंप मालिकों ने हाई कोर्ट से लगाई गुहार

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को काबू करने के लिए 1 जुलाई से एक नई नीति लागू की गई है. 15 साल से ज्यादा पुरानी पेट्रोल/सीएनजी गाड़ियों और 10 साल से ज्यादा पुरानी डीजल गाड़ियों को पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं दिया जाएगा. लेकिन इस फैसले पर अब विवाद खड़ा हो गया है. दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन ने इस प्रतिबंध के खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उनकी आपत्ति सिर्फ पर्यावरण नीति से नहीं, बल्कि उसके लागू करने के तरीके से है. दरअसल, इस आदेश में मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 192 के तहत पेट्रोल पंप मालिकों पर भी कार्रवाई का प्रावधान रखा गया है, जिसे एसोसिएशन ने अनुचित बताया है.

हाई कोर्ट ने अब दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) से इस याचिका पर जवाब मांगा है. अगली सुनवाई 8 सितंबर को तय की गई है. एसोसिएशन ने ये भी तर्क दिया है कि दिल्ली में लगभग 61 लाख वाहन हैं, लेकिन ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग ने अब तक 1% से भी कम पुराने वाहनों को जब्त किया है. ऐसे में पूरी जिम्मेदारी पेट्रोल पंपों पर डालना न तो व्यावहारिक है और न ही न्यायसंगत.

केदारनाथ में भूस्खलन, 9 घंटे फंसे रहे यात्री

भारी बारिश से केदारनाथ मार्ग बंद, यात्रियों को 9 घंटे इंतजार

9 घंटे बाद एक बार फिर केदारनाथ यात्रा शुरु हो गई है। भारी बारिश और लेंड स्लाइड के बीच रात 3 बजे से यात्रा बंद कर दी गई थी। करीब 40 तीर्थ यात्री लेंड स्लाइड के बीच फंस गए थे। देखें रतलाम संवाददाता की केदारनाथ धाम से ग्राउंड रिपोर्ट। उत्तराखंड के केदारनाथ में 9 घंटे से बंद पड़ी यात्रा गुरुवार को दोपहर 12 बजे से दोबारा शुरू हो गई है। यहां एक दिन पहले मंदाकिनी नदी पर बने छोटे पर सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच मुनकटिया में भारी लेंड स्लाइड होने से रास्ता बंद कर दिया गया था। 9 घंटे चले अभियान के बाद गुरुवार को दोबारा खोल दिया गया। सोनप्रयाग में रोके गए मध्य प्रदेश समेत देशभर से आए सैकड़ों तीर्थ यात्री दोबारा केदारनाथ की ओर रवाना हो गए हैं। क्षेत्र में बुधवार रात 9 बजे से जारी तेज बारिश के चलते रात करीब 3 बजे भुसखलन हुआ था। तभी से केदरनाथ धाम की यात्रा अस्थाई तौर पर बंद कर दी गई थी। फिर राहत एवं बचाव दल को सूचना दी गई, जिसके बाद तड़के 4 बजे से राहत एवं बचाव कार्य शुरु किया गया। फिलहाल, करीब गुरुवार दोपहर 12 बजे यात्रा को दोबारा से शुरु कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि, भुसखलन में करीब 40 से अधिक तीर्थ यात्री फंस भी गए हैं, जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसके लिए पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। वहीं, मध्य प्रदेश से गए श्रद्धालुओं को सोन प्रया

केरल में फंसे ब्रिटिश F-35B फाइटर जेट को किया जाएगा एयरलिफ्ट! बड़े जेट में लोड करके ले जाने की संभावना

यूनाइटेड किंगडम C-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान में लोड करके इस फाइटर जेट को एयरलिफ्ट करने का विकल्प तलाश रहा है. इस श्रेणी के फाइटर जेट के लिए यह दुर्लभ कदम होगा. केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 19 दिन पहले इमरजेंसी लैंडिग करने वाला ब्रिटिश F-35B स्टील्थ फाइटर जेट अभी भी वहीं खड़ा है लेकिन उसको लेकर एक बड़ा अपडेट है. फील्ड मरम्मत के प्रयास अभी तक सफल नहीं होने के कारण अब इसे एक बड़े जेट में लोड करके यूनाइटेड किंगडम ले जाने की तैयारी है. अब इसे C-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान पर लोड करके एयरलिफ्ट करने का विकल्प तलाशा जा रहा है. इस श्रेणी के फाइटर जेट के लिए यह दुर्लभ कदम होगा.

क्या हुआ था 15 जून को?

यह फाइटर जेट, जो ब्रिटेन की रॉयल नेवी के बेड़े का हिस्सा है, HMS प्रिंस ऑफ वेल्स विमानवाहक पोत पर लौट नहीं सका। दरअसल, इंडो-पैसिफिक में तैनाती के दौरान अचानक खराब मौसम और फ्यूल लेवल कम होने की स्थिति में पायलट ने 15 जून की सुबह 9:30 बजे तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग की। ब्रिटिश उच्चायोग ने बयान जारी कर कहा था कि यह कदम "प्रतिकूल मौसम" के कारण उठाया गया था।

उतरने के बाद क्यों नहीं उड़ा फाइटर जेट?

इमरजेंसी लैंडिंग के बाद इस फाइटर जेट में ऐसी तकनीकी खराबी आई, जिसे ब्रिटेन ने "इंजीनियरिंग समस्या" करार दिया। पिछले 19 दिनों में इसे वहीं पर ठीक करने की कोशिश की गई, लेकिन अब तक प्रयास सफल नहीं हुए।

भारतीय वायुसेना ने रॉयल नेवी के अनुरोध पर लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया और एयरपोर्ट पर CISF द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। साथ ही, UK ने इस जेट की सैटेलाइट निगरानी भी कर रखी है ताकि इसकी सुरक्षा में कोई चूक न हो।

एफ-35बी लाइटनिंग विमान, ब्रिटेन की रॉयल नेवी के बेड़े का हिस्सा है और इसे वर्टिकल लैंडिंग की क्षमता के लिए जाना जाता है. वर्तमान में इंडो-पैसिफिक में तैनात रॉयल नेवी के प्रमुख विमान वाहक, HMS प्रिंस ऑफ वेल्स पर यह लौटने में असमर्थ हो गया था. इसके बाद इसे केरल के एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया, जहां इसने इमरजेंसी लैंडिग की थी.

पिछले सप्ताह ब्रिटिश उच्चायोग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, "प्रतिकूल मौसम की स्थिति" के कारण इमरजेंसी में इसका मार्ग परिवर्तन किया गया था. खराब मौसम की वजह से यह जेट HMS प्रिंस ऑफ वेल्स पर सुरक्षित रूप से नहीं उतर सकता था.

फिर पायलट ने 15 जून को इस फाइटर जेट को तिरुवनंतपुरम में सुरक्षित उतार लिया. हालांकि, उतरने के बाद से, विमान में ऐसी खराबी आ गई है जिसे ब्रिटेन के अधिकारियों ने "इंजीनियरिंग समस्या" करार दिया है, जिसके कारण यह उड़ान भरने में असमर्थ हो गया है. नियमित भारत-ब्रिटेन नौसैनिक अभ्यास के बाद, जेट ने 15 जून को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 9:30 बजे आपातकालीन लैंडिंग की थी. इस फाइटर जेट में फ्यूल लेबल अपेक्षा से कम था. भारतीय वायु सेना के सूत्रों ने पुष्टि की कि रॉयल नेवी के अनुरोध पर लॉजिस्टिक सहायता बढ़ा दी गई थी.

F-35 कार्यक्रम सैन्य विमानन इतिहास में सबसे बड़ी और सबसे महंगी हथियार विकास पहल है. वैश्विक स्तर पर, F-35 बेड़े ने कई सेवाओं और लड़ाकू थिएटरों में 800,000 घंटे से अधिक उड़ान भरी है. इजरायल ने अपने F-35As को सीरिया और ईरान से जुड़े लक्ष्यों पर सटीक हमलों के लिए तैनात किया है, जबकि अमेरिका प्रशांत, यूरोप और मध्य पूर्व में F-35s की नियमित उपस्थिति बनाए रखता है.

सावन में बाबा विश्वनाथ के शरण में होंगे अखिलेश, क्या मुस्लिम परस्त छवि से बाहर निकलने का प्लान?

सपा प्रमुख अखिलेश यादव सावन के पहले सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे. यह कदम उनकी 'मुस्लिम-परस्त' छवि को बदलने और 2027 के चुनावों में हिंदू वोट बैंक को आकर्षित करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है. हालांकि, यह कदम बीजेपी के हिंदुत्व वाले एजेंडे की प्रतिक्रिया है. ऐसा करने से अखिलेश को मुस्लिम वोटरों का विश्वास बनाए रखने में काफी चुनौती होगी.

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है. योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए हिंदुत्व एजेंडे को धार देने में जुटी है, तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव हर हाल में वापसी करने की जुगत लगा रहे हैं. सपा के जातीय समीकरण दुरुस्त करने के साथ-साथ अखिलेश यादव अपनी मुस्लिम परस्त वाली छवि को भी तोड़ने में लगे हैं. इसी के मद्देनजर मुस्लिमों से जुड़े मुद्दों पर मुखर होने के बजाय सामाजिक न्याय का एजेंडा सेट कर रहे है, तो साथ ही सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं. सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग हरिद्वार से कांवड़ लेकर कांवड़िए शिवलिंग पर गंगा जल चढ़ाते हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर साल सावन के पहले दिन गोरखनाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक व विधिवत पूजा अर्चना करते हैं. इस साल सावन के पहले सोमवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव काशी के बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे, जिसे लेकर सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं.

बाबा विश्वनाथ के शरण में अखिलेश

धार्मिक नगरी काशी सावन के महीने में भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थान बन जाता है. सावन में काशी में भारी भीड़ होती है, खासकर सोमवार को, जब भक्त भगवान शिव की पूजा करने और जलाभिषेक करने के लिए उमड़ते हैं. देशभर के लोग बड़ी संख्या में बाबा विश्वनाथ के दर पर गंगा जल चढ़ाने और माथा टेकने पहुंचते हैं. इस बार सावन के पहले सोमवार को यादव बंधुओं के जलाभिषेक में सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी शिरकत करेंगे.

सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ रहा है. जलाभिषेक के लिए देशभर से 50 हजार यादव बंधु काशी विश्वनाथ के दर पर पहुंच रहे हैं. चंद्रवंशी गोप समिति के प्रतिनिधिमंडल ने पिछले दिनों अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात करके जलाभिषेक के लिए आमंत्रित किया. इस प्राचीन परंपरागत जलाभिषेक कार्यक्रम में शिरकत करने की मंजूरी भी अखिलेश यादव दे चुके हैं. चंद्रवंशी गोप सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष लालजी चंद्रवंशी ने बताया कि अखिलेश यादव सावन के प्रथम सोमवार को होने वाले बाबा के प्रथम जलाभिषेक में शामिल होंगे.

यदुवंशियों की जलाभिषेक परंपरा

साल 1952 से सावन के पहले सोमवार को यदुवंशियों का जत्था बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करता चला आ रहा है. स्व. तेजू सरदार ने इस परंपरा की शुरुआत की थी. यादव बंधु हर साल

सावन से पहले सोमवार को गौरी केदारेश्वर का जलाभिषेक करते हैं. उसके बाद तिलभांडेश्वर और फिर दशाश्वमेध घाट से जल लेकर बाबा विश्वनाथ को अर्पित करते हैं. बाबा विश्वनाथ के दरबार के बाद मृत्युंजय महादेव और त्रिलोचन महादेव के दर्शन करके काल भैरव को जल अर्पण के बाद ये यात्रा पूरी होती है.

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को जब यदुवंशियों के जलाभिषेक की परंपरा का महत्व बताया गया तो उन्होंने आमंत्रण स्वीकार कर लिया. अखिलेश यादव 14 जुलाई को काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन और पूजा करेंगे. अखिलेश के साथ काशी विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए इस बार देशभर के 50 हजार यादव बंधु काशी पहुंच रहे हैं. इस तरह 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा प्रमुख का काशी विश्वनाथ के मंदिर पर माथा टेक कर अपनी आस्था जाहिर करने के साथ-साथ सियासी एजेंडा भी सेट करते नजर आएंगे.

मुस्लिम परस्त छवि तोड़ पाएंगे अखिलेश?

मुलायम सिंह यादव ने सपा की बुनियाद रखी तो उसका आधार मुस्लिम और यादव हुआ करता था. एम-वाई समीकरण के सहारे तीन बार मुलायम सिंह और एक बार अखिलेश यादव यूपी के मुख्यमंत्री बनने में कामयाब रहे, लेकिन 2014 के बाद से यूपी की सियासत बदल गई है. हिंदुत्व की छतरी के नीचे तमाम हिंदू जातियों को एकजुट करने में बीजेपी कामयाब रही. इसके लिए सपा पर यादववाद और मुस्लिम परस्त छवि को गढ़ने में बीजेपी कामयाब रही है, जो अखिलेश यादव के वापसी की राह में बड़ी सियासी अड़चन है.

यादववाद और मुस्लिम परस्त छवि से बाहर निकलने की कोशिश में अखिलेश यादव लंबे समय से जुटे हैं. बदले राजनीतिक हालात में अखिलेश यह जान चुके हैं कि सपा के परंपरागत M-Y (मुस्लिम-यादव) समीकरण के सहारे बीजेपी को नहीं हरा सकते. अखिलेश यादव सपा को मुलायम सिंह यादव की छवि से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके लिए 2024 में पीडीए का दांव चला था. अखिलेश पीडीए फॉर्मूले से बीजेपी को शिकस्त देने में सफल रहे हैं, लेकिन उसके बाद से बीजेपी फिर से उनके खिलाफ तानाबाना बुन रही है. ऐसे में अखिलेश यादव सावन में बाबा विश्वनाथ के दर से सॉफ्ट हिंदुत्व का दांव खेलने की रणनीति बनाई है.

बीजेपी की पिच पर खेलना आसान नहीं

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो देश की सियासत अब बदल चुकी है. 2014 के बाद से जिस तरह हिंदू मतदाताओं पर बीजेपी की पकड़ मजबूत होती जा रही है, उससे अखिलेश को मंदिर और प्रतीकों की राजनीति करने के लिए मजबूर कर दिया है. इस तरह सपा अपने सियासी एजेंडे पर बीजेपी को लाने के बजाय खुद बीजेपी की बिछाई सियासी बिसात पर उतर रही है. बीजेपी हिंदू समुदाय को अपना वोट बैंक मानती है, इसलिए उसकी पिच पर उतरकर मुकाबला करना सपा के लिए आसान नहीं है.

वरिष्ठ पत्रकार सैयद कासिम कहते हैं कि अखिलेश यादव कई तरह का सियासी प्रयोग करके देख चुके हैं, लेकिन बीजेपी से मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं. ऐसे में अखिलेश अब बीजेपी की हिंदुत्व वाली पिच पर उतर रहे हैं, लेकिन इस रास्ते पर चलना उनके लिए दो धारी तलवार की तरह है. एक तो बीजेपी के सवालों का सामना करना पड़ेगा तो दूसरा मुस्लिम मतों के भरोसे को भी बनाए रखने की चुनौती होगी. मुस्लिम समुदाय भी सब देख रहा है, लेकिन राजनीतिक विकल्प न होने के चलते कशमकश की स्थिति बनी हुई है.

एमपी हजारों कर्मचारियों को नहीं मिल रहा वेतन, आंदोलन की चेतावनी

पिछले 6 महीने से कर्मचारियों को हे वेतन का इंतजार, न पेंशन मिल रही न पीएफ का पैसा, मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने दी आंदोलन की चेतावनी, हजारों कर्मचारियों के खाली हाथ, कब भरेगी सरकार दैनिक वेतन भोगी, स्थायी कर्मी, सुरक्षा श्रमिक, कार्यभारित, अंशकालीन कर्मचारियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच लगातार कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, पीएफ के लिए संघर्ष कर रहा है। पिछले छह माह से अधिक समय से प्रदेश के अधिकांश जिलों में आदिम जाति कल्याण विभाग के दैवेभो कर्मियों को वेतन नहीं मिला है, इसके लिए भी संगठन की ओर से लगातार शासन को ज्ञापन सौपकर और विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच की स्थापना 1990 में हुई थी। संगठन की ओर से दैनिक वेतन भोगी और अल्प वेतन पाने वाले कर्मचारियों को लेकर लंबी लड़ाई लड़ी जा रही है।

अगस्त में शुरू करेंगे हल्ला बोल आंदोलन

संगठन की ओर से कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर हल्ला बोल आंदोलन की शुरुआत अगस्त में की जाएगी। इसके लिए जुलाई माह में भोपाल समेत प्रदेश भर के कार्यालयों में कर्मचारियों को संगठित करने जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाएगा, साथ ही अगले माह होने वाले आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

शोषण के खिलाफ जंग

प्रदेश में दैवेभो, कार्यभारित, अंशकालीन कर्मचारी शोषण का शिकार हो रहे हैं। इसके लिए हम लगातार आवाज उठा रहे है। 2004 में 28 हजार दैवेभो कर्मियों की जो बर्खास्तगी हुई थी उसके लिए लड़ाई लड़ी और जीते। साथ ही कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर अगले माह आंदोलन भी शुरू कर रहे हैं। -अशोक पांडे, प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच

बंद हो अन्याय

प्रदेश में कम वेतन पाने वाले कर्मचारी लगातार शोषण का शिकार हो रहे हैं, इसके लिए हम लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। कम वेतन पर कर्मचारियों से काम लिया जा रहा है, कई कर्मचारियों को पीएफ, पेंशन आदि का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इसे लेकर संगठन संघर्ष कर रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा।

24 घंटे भी खुशी नहीं मना सके पाकिस्तानी स्टार्स, भारत में फिर BLOCKED हुए

पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के अकाउंट्स की थोड़ी देर के लिए दिखने के बाद, सरकार ने 18,000 से ज्यादा हैंडल्स को फिर से ब्लॉक कर दिया है.

नई दिल्ली. पाकिस्तानी सेलेब्रिटीज के सोशल मीडिया अकाउंट्स 2 जुलाई को अचानक कई एक बार फिर से भारत में दिखने लगे थे. सोशल मीडिया पर हो-हंगामा शुरू हुआ तो सरकार ने फिर एक्शन मोड में आ गई. भारत सरकार ने एक बार फिर पाकिस्तानी एक्टर्स और क्रिकेटर्स के सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है. सरकारी सूत्रों ने हमारी सहयोगी वेबसाइट न्यूज18 को बताया कि यह फैसला एक इमरजेंसी आंतरिक समीक्षा के बाद लिया गया.

दरअसल, 2जुलाई को, मावरा होकेन, सबा कमर, अहद रज़ा मीर, युमना जैदी और दानिश तैमूर जैसे स्टार्स के इंस्टाग्राम अकाउंट्स भारतीय यूजर्स के लिए थोड़ी देर के लिए दिखने लगे थे. क्रिकेटरों शाहिद अफरीदी और शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनल्स, और हम टीवी, एआरवाई डिजिटल और हर पल जियो जैसे मनोरंजन

प्लेटफार्म्स भी भारत में दिखने लगे थे. हालांकि, ये अकाउंट्स फिर से रिस्ट्रिक्टेड हो गए.

24 घंटे के अंदर फिर बैन

इन्हें खोजने पर यूजर्स को वही पुराना मैसेज मिला रहा है, जो है- 'अकाउंट भारत में उपलब्ध नहीं है. यह कानूनी अनुरोध के कारण प्रतिबंधित किया गया है.'

पतंजलि के खिलाफ डाबर ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, बाबा रामदेव की कंपनी को नोटिस जारी

दिल्ली हाईकोर्ट की पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक

दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को निर्देश दिया है कि वह डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी नकारात्मक या भ्रामक विज्ञापन न दिखाए। यह आदेश जस्टिस मिनी पुष्करणा ने डाबर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। डाबर ने कोर्ट में तर्क रखा कि इस तरह के विज्ञापन न सिर्फ उनके उत्पाद को बदनाम करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को गुमराह भी करते हैं। च्यवनप्राश एक पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधि है, जिसे ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट के तहत नियमानुसार ही बनाना होता है। ऐसे में अन्य ब्रांड्स को सामान्य कहना गलत, भ्रामक और नुकसानदायक है।

इस मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। फिलहाल पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक लगा दी गई है। केस में डाबर की तरफ से वरिष्ठ वकील संदीप सेठी ने वकालत की, जबकि पतंजलि की ओर से वरिष्ठ वकील राजीव नायर और जयंत मेहता पेश हुए थे। संदीप सेठी ने कहा,

डाबर का आरोप- पतंजलि उनके प्रोडक्ट की इमेज खराब कर रहा

इसके अलावा डाबर ने कहा, 'पतंजलि के विज्ञापन में 40 औषधियों वाले च्यवनप्राश को साधारण कहा गया है। यह हमारे उत्पाद पर सीधा निशाना है।' डाबर अपने च्यवनप्राश को "40+ जड़ी-बूटियों से बने होने" का दावा करता है। डाबर का कहना है कि च्यवनप्राश बाजार में उनकी 60% से ज्यादा हिस्सेदारी है।

डाबर ने यह भी कहा कि पतंजलि के विज्ञापन में यह संकेत भी दिया गया है कि दूसरे ब्रांड्स के उत्पादों से स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। डाबर ने तर्क दिया कि पतंजलि पहले भी ऐसे विवादास्पद विज्ञापनों के लिए सुप्रीम कोर्ट में अवमानना के मामलों में घिर चुका है। इससे साफ है कि वह बार-बार ऐसा करता है।

पहले शरबत विवाद में फंसे थे रामदेव

बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म X पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है। बाबा रामदेव ने कहा था कि जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही शरबत जिहाद भी चल रहा है। इसके खिलाफ रूह अफजा शरबत बनाने वाली कंपनी हमदर्द ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने दलीलें दीं। रोहतगी ने कहा कि यह धर्म के नाम पर हमला है।

हाईकोर्ट बोला- शरबत पर रामदेव का बयान माफी लायक नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने VIDEO पर नाराजगी जताई। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि यह बयान माफी लायक नहीं है। इसने कोर्ट की अंतरआत्मा झकझोर दी।

कोर्ट की फटकार के बाद पतंजलि के फाउंडर रामदेव ने कहा कि हम ऐसे सभी VIDEO हटा लेंगे, जिनमें धार्मिक टिप्पणियां की गई हैं। कोर्ट ने रामदेव को एफिडेविट दाखिल करने का आदेश भी दिया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,